Janjati Kalyan Kendra

जनजाति कल्याण केन्द्र महाकोशल

पंजीयन क्र. – जे.एम. 2191

ग्राम–बरगांव, डाकघर–करौंदी, शहपुरा
जिला – डिण्डौरी (म.प्र.)

वार्षिक प्रतिवेदन
2025-26

ईमेल : janjatikalyankendra@gmail.com वेबसाइट : www.janjatikalyankendra.com

समाचार पत्रों में केन्द्र

जनजाति कल्याण केन्द्र, महाकौशल (बरगांव) को मिला 'महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान 2024-25'

एक्सल समाचार, भोपाल। भोपाल,जनजाति कल्याण केन्द्र, महाकौशल, बरगांव को जनजातीय कल्याण एवं विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित 'महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान 2024-25' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव द्वारा संस्था के सचिव श्री मनोहर लाल साहू को भोपाल में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया।

महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान, जो मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है, का उद्देश्य समाज में समरसता और भाईचारे को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को सम्मानित करना है। वर्ष 2024-25 के सम्मान चक्र में यह प्रतिष्ठित पुरस्कार जनजाति कल्याण केन्द्र, महाकौशल, डिंडोरी को उनके जनजातीय समाज के उत्थान एवं कल्याण के प्रति निरंतर समर्पण के लिए प्रदान किया गया।

वर्ष 1995 में सोसायटी पंजीयन अधिनियम 1860 के अंतर्गत स्थापित यह गैर-लाभकारी चैरिटेबल ट्रस्ट जनजातीय कल्याण के लिए समर्पित है। पिछले तीन दशकों से यह केन्द्र स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, जैविक खेती, महिला सशक्तिकरण तथा आजीविका संवर्धन जैसे क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है और मैकल क्षेत्र के लगभग 25 गाँवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ रहा है।

संस्था द्वारा सरकारी योजनाओं को जनजातीय परिवारों तक पहुँचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जाती है, ताकि हकदारों को उनका पूरा लाभ मिल सके। हर वर्ष केन्द्र द्वारा मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते हैं, जिनसे सुदूरवर्ती जनजातीय इलाकों में सैकड़ों लोगों को चिकित्सा सेवाएँ मिलती हैं। इसके साथ ही केन्द्र द्वारा नर्मदा परिक्रमा यात्रियों को विशेष सहयोग भी प्रदान किया जाता है, जो इसकी सेवा-भावना का प्रमाण है। अपनी सेवाओं के माध्यम से जनजाति कल्याण केन्द्र ने जनजातीय समुदायों में आशा, सम्मान और अवसर की नई रोशनी पहुँचाई है। विशेषकर युवा एवं महिलाओं को आत्मनिर्भरता और सतत विकास की दिशा में अग्रसर किया है। राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर संस्था को समय-समय पर अनेक सम्मान प्राप्त हुए हैं। महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान 2024-25 संस्था की इस अविराम यात्रा का एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक गौ सेवा गतिविधि अखिल भारतीय प्रमुख शंकर लाल का प्रवास कार्यक्रम

डिण्डौरी, अटल प्रगति।

जिले के शहपुरा विकासखंड अंतर्गत जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक गौ सेवा गतिविधि अखिल भारतीय प्रमुख शंकर लाल का प्रवास कार्यक्रम हुआ। उन्होंने गौशाला समिति के सदस्यों पदाधिकारी एवं गौ प्रेमियों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में गौ माता पर होने वाली बीमारियों के निदान के बारे में होम्योपैथिक चिकित्सा के बारे में बताए एवं जैविक खेती पर प्रमुख रूप से फोकस रहा। गौ माता के गोमूत्र की उपयोगी जानकारी दी । समाधि खाद तैयार करना, सिंह खाद तैयार करना ,अमृत पानी तैयार करना आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक में शंकर लाल अखिल भारतीय गौ सेवा गतिविधि प्रमुख, राजकुमार जैन गौ सेवा गतिविधि महाकौशल प्रांत प्रमुख, मनोहर लाल साहू अध्यक्ष जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव प्रकल्प प्रमुख, श्याम जी बनमाली, प्रकल्प प्रबंधक जाम सिंह , जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल गौसदन समिति से वीरेंद्र तिवारी उपाध्यक्ष, राधेश्याम साहू सचिव, मनोज सोनी कोषाध्यक्ष, आरएस गुरुदेव सदस्य, शारदा मां गौ सेवा समिति करौंदी से अध्यक्ष टेकेश्वर साहू, कोषाध्यक्ष भीमशंकर साहू एवं गौसदन जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव कृषि कल्याण समिति के सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव में ली गौशाला समिति की बैठक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक गौ सेवा गतिविधि अखिल भारतीय प्रमुख शंकर लाल का प्रवास कार्यक्रम

शहपुरा-

जिले के शहपुरा विकासखंड अंतर्गत जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक गौ सेवा गतिविधि अखिल भारतीय प्रमुख शंकर लाल का प्रवास कार्यक्रम हुआ। उन्होंने गौशाला समिति के सदस्यों पदाधिकारी एवं गौ प्रेमियों के साथ बैठक आयोजित की।

बैठक में गौ माता पर होने वाली बीमारियों के निदान के बारे में होम्योपैथिक चिकित्सा के बारे में बताए एवं जैविक खेती पर प्रमुख रूप से फोकस रहा। गौ माता के गोमूत्र की उपयोगी जानकारी दी । समाधि खाद तैयार करना, सिंह खाद तैयार करना ,अमृत पानी तैयार करना आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक में शंकर लाल अखिल भारतीय गौ सेवा गतिविधि प्रमुख, राजकुमार जैन गौ सेवा गतिविधि महाकौशल प्रांत प्रमुख, मनोहर लाल साहू अध्यक्ष जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव प्रकल्प प्रमुख, श्याम जी बनमाली, प्रकल्प प्रबंधक जाम सिंह , जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल गौसदन समिति से वीरेंद्र तिवारी उपाध्यक्ष, राधेश्याम साहू सचिव, मनोज सोनी कोषाध्यक्ष, आरएस गुरुदेव सदस्य, शारदा मां गौ सेवा समिति करौंदी से अध्यक्ष टेकेश्वर साहू, कोषाध्यक्ष भीमशंकर साहू एवं गौसदन जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव कृषि कल्याण समिति के सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव में विद्यार्थियों का शैक्षिक भ्रमण

बरगांव। दिनांक 20 दिसंबर 2025 को देवरी विद्यालय एवं बरगांव शासकीय विद्यालय के कुल 82 छात्र-छात्राओं ने जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल, बरगांव का शैक्षिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को कृषि, जैविक खेती एवं सेवा कार्यों से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना था।

कार्यक्रम के दौरान केंद्र के प्रकल्प प्रमुख आदरणीय श्याम जी भाईसाहब ने विद्यार्थियों को जनजाति कल्याण केंद्र द्वारा संचालित सेवा के 15 आयामों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस प्रकार केंद्र शिक्षा. माध्यम से जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास हेतु कार्य कर रहा है।

इसके पश्चात विद्यार्थियों को पीपीटी (PPT) के माध्यम से कृषि की उन्नत तकनीकों की जानकारी दी गई। प्रस्तुतीकरण में आधुनिक खेती, जैविक कृषि, मृदा संरक्षण तथा उत्पादन बढ़ाने के वैज्ञानिक उपायों को सरल भाषा में समझाया गया।

कार्यक्रम के अगले चरण में विद्यार्थियों ने केंद्र में संचालित जैविक कृषि गतिविधियों का प्रत्यक्ष भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान उन्हें कृषि एवं बागवानी की वैज्ञानिक तकनीकों से अवगत कराया गया। साथ ही विद्यार्थियों ने केंचुआ खाद इकाई का अवलोकन किया और जैविक खाद निर्माण की विधि को व्यवहारिक रूप से समझा।

इस शैक्षिक भ्रमण से विद्यार्थियों में कृषि एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ी तथा जैविक खेती के महत्व को समझने का अवसर प्राप्त हुआ। केंद्र प्रबंधन द्वारा ऐसे शैक्षिक भ्रमणों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में

- जनजाति कल्याण केंद्र बरगांव में मान. उल्लास जी कुलकर्णी एवं अनुपम जी मिश्रा का आगमन : केंद्र के कार्यों की सराहना, दिए बहुमूल्य सुझाव

आप भी बने वाटसअप रिपोर्टर खबरें एवं फोटो भेजें व हमसे जुड़ने के लिए क्यू आर कोर्ड स्कैन करे 8839948794

सत्य ही अटल है...

अटल प्रगति

Digital Edition जबलपुर, रविवार, 27 अप्रैल 2025

मध्य प्रदेश शासन जनजाति कार्य विभाग के प्रमुख सचिव गुलशन बामरा ने किया नर्मदांचल विद्यापीठ का निरीक्षण

अटल प्रगति • डिण्डौरी
atalpragatimp@gmail.com

डिण्डौरी, असगर सिद्दकी मध्य प्रदेश शासन जनजाति कार्य विभाग के प्रमुख सचिव गुलशन बामरा का आज डिंडोरी प्रवास के दौरान नर्मदांचल विद्यापीठ का निरीक्षण करने पहुंचे जहां विद्यालय की छात्रों के द्वारा घोषवादन कर एवं कलश के द्वारा स्वागत किया गया बामरा ने विद्यालय द्वारा संचालित शैक्षणिक सह शैक्षणिक गतिविधियों का निरीक्षण किया विद्यालय की प्राचार्य द्वारा विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया विद्यालय की कक्षा दसवीं में अध्यनरत छात्रा कु प्रतिभा झारिया द्वारा स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं जनजातीय गौरव राजा शंकर शाह, कुंवर रघुनाथ शाह का स्वहस्त निर्मित चित्र सप्रेम भेंट किया बामरा ने छात्रा की अनुपम प्रतिभा से प्रभावित हो प्रोत्साहन राशि प्रदान की एवं विद्यालय द्वारा संचालित शैक्षणिक - शैक्षणिक गतिविधियों निरीक्षण से प्रभावित होकर कहा यहाँ से जाने का मन नही कर रहा किंतु समय और प्रशासनिक प्रतिबद्धता के कारण जाना आवश्यक है संचालन समिति एवं विद्यालय के शैक्षिक स्टाफ की प्रशंसा कर विद्यालय की उज्जवल भविष्य की कामना की इस दौरान केंद्र के अध्यक्ष एमएल साहू एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेश मिश्रा, महेंद्र अरजरिया,प्राचार्य सुरभि पांडे,उप प्राचार्य प्यारेलाल कुशवाहा, विद्यालय के अभिभावक धर्म सिंह मरावी ,ज्ञानवती कुशराम की उपस्थिति रही ।

जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव में जैविक खेती पर एक दिवसीय कृषक संगोष्ठी सम्पन्न

बरगांव (निज संवाददाता)। रविवार को जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल, बरगांव में जैविक खेती विषय पर एक दिवसीय कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को टिकाऊ, कम लागत एवं पर्यावरण-संवेदनशील कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रोफेसर एवं किसान कल्याण केंद्र समिति के जैविक कृषि प्रभारी डॉ. अभिषेक शुक्ला द्वारा की गई। उन्होंने किसानों को जैविक कीट नियंत्रण, प्राकृतिक कीटनाशकों, फसल सुरक्षा एवं रसायनिक निर्भरता कम करने के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ. राकेश साहू ने मृदा परीक्षण एवं मृदा स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संतुलित पोषण और नियमित मृदा परीक्षण से उत्पादन क्षमता में वृद्धि संभव है। वहीं कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पी. अमूलकर ने कम सिंचाई में धान एवं गेहूं की उन्नत किस्मों तथा जल-संरक्षण आधारित खेती पर विस्तृत चर्चा की।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक श्री अवधेश ने बागवानी फसलों, विशेषकर सब्जी एवं फल उत्पादन की उन्नत तकनीकों, पौध संरक्षण एवं विपणन संभावनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र, डिंडौरी द्वारा जैविक कृषि की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसे किसानों ने विशेष रुचि के साथ देखा।

कार्यक्रम में किसानों को सब्जी बीजों का वितरण किया गया। संगोष्ठी में 33 महिला किसान एवं 55 पुरुष किसान उपस्थित रहे। केंद्र की प्रोग्रेसिव महिला किसान शिव कुमारी उरैति विशेष अतिथि के रूप में शामिल रहीं। किसानों ने खेती से जुड़ी अपनी समस्याएं रखीं, जिनका विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में कार्यक्रम संयोजक डॉ. योगेश राजपूत, किसान समिति अध्यक्ष श्री धर्म सिंह मरावी, गौशाला सचिव श्री उमेश, कोषाध्यक्ष श्री वीरेंद्र तिवारी, किसान समिति सदस्य श्री अजमेर सहित अनेक गणमान्यजन एवं किसान उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों ने किसानों से जैविक खेती अपनाकर स्वस्थ मृदा, सुरक्षित पर्यावरण और आत्मनिर्भर कृषि की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

जनजाति कल्याण केन्द्र महाकोशल

ग्राम-बरगांव, डाकघर-करौंदी, शहपुरा, जिला-डिण्डौरी, (म.प्र.)

केन्द्रीय समिति -

■ अध्यक्ष	श्री मनोहर लाल साहू, अवकाश प्राप्त शिक्षा अधिकारी डिंडोरी मो : 9981544951
■ सचिव	डॉ. सुनील कांत वाजपेयी, सेवानिवृत्त उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विकास, मो. : 9425483859
■ कोषाध्यक्ष	डॉ. श्रीकृष्ण बिलैया, से.नि. प्राध्यापक - जवाहरलाल नेहरू कृषि वि.वि. जबलपुर, मो. : 9425165543
■ प्रबंधक जनजाति कल्याण केन्द्र	श्री जाम सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता, बरगांव, डिंडोरी मोबाइल : 6264145142

उद्देश्य

- अनुसूचित जनजाति के आर्थिक एवं सामाजिक स्तर पर पिछड़े ग्रामीण विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास करना।
- नैतिक एवं मानवीय मूल्यों से निहित उच्चतम आदर्श, मातृ-शक्ति केन्द्रित समाज निर्मित करना, नेतृत्व एवं अपरिमित क्षमताओं से परिपूर्ण आत्मनिर्भर युवाओं का निर्माण करना जिससे वे जिम्मेदार नागरिक बनकर समाज एवं राष्ट्र की सेवा हेतु समर्पित हों।
- To provide quality education to the economically and socially deprived scheduled tribe rural students fostering their physical, mental and intellectual development.
- To build 'Matra-Shakti' centric society and create ideal, aware and self-reliant youth recognized for leadership, excellence and outreach with moral and ethical values so that they may serve the community and the nation at large.

अध्यक्ष की कलम से . . .

सेवा एक भाव है जो अन्तरात्मा से प्रकट होकर दूसरों के कष्टों का निवारण करता है। यह कहा भी गया है कि ''परहित सरिस धर्म नहीं भाई, पर पीड़ा सम नहीं अधमाई'' अर्थात् सेवा में धर्म का भाव निहित है। सेवा से मलिनता दूर होती है, परिवार कलह से मुक्त होता है, समाज में विभेद उत्पन्न नहीं होते और राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव सदैव विद्यमान रहता है। अन्ततः संगठन के भाव से ओतप्रोत शक्ति सम्पन्न राष्ट्र का निर्माण होता है। जब-जब इस भाव में शिथिलता आई समाज और राष्ट्र कमजोर हुए। इसीलिए समाज ने ''सेवा एक भूषण है'' को अंगीकार किया।

स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि 'विश्व के किसी भी कोने में रहने वाले किसी हिन्दू पर चोट हम पर चोट है' जब यह भाव उत्पन्न होगा, तभी हम हिन्दू हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने कहा था कि हम अंतिम पक्ति में खड़े अन्तिम व्यक्ति की सेवा करेंगे। स्वराज्य प्राप्ति के इतने वर्षों पश्चात् भी हमारे ही रक्त, मांस का एक बड़ा वर्ग दुर्बल है, अशिक्षित है तथा समाज से कटा हुआ है। दुर्भाग्य से इनमें से कुछ मतान्तरित होकर मुख्य धारा से विलग हो गये हैं। ऐसे कमजोर, उपेक्षित वर्गों की निःस्वार्थ सेवा करना हमारा लक्ष्य है।

सेवा तो उनसे सम्पर्क का एक साधन है। उनके बीच जाने का एक प्रवेश बिंदु है। सेवा कार्यों को साधन बनाकर हमें उन दुर्बल वर्गों के परिवारों तक सम्पर्क साधना है। हम उन्हें शिक्षित करेंगे, मलिनता हटायेंगे, उन्हें औद्योगिक प्रशिक्षण देंगे। उनकी सेवा तो करेंगे ही, परन्तु सेवा ही हमारा अन्तिम लक्ष्य नहीं है। हम सेवा से भी आगे जायेंगे।

हमारी दृष्टि केवल सेवा तक ही सीमित नहीं है। सेवा कार्यों से उन बंधुओं को लाभ तो होगा ही, परन्तु हमारी विशेषता यह है कि सेवा अन्त नहीं है। हमें सेवा से भी आगे कई कदम बढ़ना है। प्रत्येक व्यक्ति को राष्ट्रभक्त होना चाहिए। सर्वसाधारण गरीब, अनपढ़, व्यक्ति भी देशभक्त बन सकता है। उन उपेक्षित वर्गों की शक्ति को, क्षमता को विकसित करना हमारा लक्ष्य है। कल्याण केन्द्र के माध्यम से सुदूर वनांचल में निवासरत अभावग्रस्त प्रत्येक व्यक्ति को केन्द्र से जोड़कर उनका सर्वांगीण विकास करना हमारा लक्ष्य है। साथ ही उन्हें उत्तरदायित्वपूर्ण देशभक्त नागरिक के रूप में उनका विकास करना भी लक्ष्य है।

श्री मनोहर लाल साहू
अध्यक्ष

नर्मदांचल विद्यापीठ

नर्मदाचंल विद्यापीठ का उद्देश्य जनजाति एवं ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को भारतीय जीवन मूल्य आधारित गुणवत्तायुक्त आधुनिक शिक्षा प्रदान करते हुए राष्ट्रीय चरित्र सम्पन्न संस्कारयुक्त सक्षम पीढ़ी का निर्माण करना है।

नर्मदाचंल विद्यापीठ की स्थापना विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सत्र 2019 में (हिंदी एवं अंग्रेजी) माध्यम के 145 छात्र संख्या के साथ कक्षा 6वीं से 8वीं तक 4 कमरों में विद्यालय का संचालन किया गया। वर्तमान सत्र 2025-26 में कुल छात्र संख्या 469 है एवं विद्यालय नर्सरी से 12वीं तक संचालित है। हमारे विद्यालय को सर्वसुविधा युक्त एक नवनिर्मित भवन भी प्राप्त हुआ है। यह संस्था शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति करते हुए विद्यार्थियों के लिए सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। विद्यालय में वर्तमान में सुसज्जित कक्षाएँ, योग्य एवं अनुभवी शिक्षक, पुस्तकालय, खेल सामग्री, खेल का मैदान, स्मार्ट क्लासेस, सर्वसुविधायुक्त कम्प्यूटर लैब तथा अन्य सभी लैब, आवश्यक शिक्षण सामग्री सहित उपलब्ध है। साथ ही विद्यार्थियों की आवागमन सुविधा के लिए नवीन 04 बसों की व्यवस्था भी उपलब्ध है।

विद्यालय में निर्मित कक्षाओं के साथ-साथ समय-समय पर विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इनमें विज्ञान प्रदर्शनी, खेलकूद प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बौद्धिक प्रतियोगिताएं, शैक्षणिक भ्रमण आदि शामिल हैं।

विद्यालय की प्रगति एवं उपलब्धियां - विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्था का नाम गौरवान्वित किया है। बोर्ड परीक्षाओं में शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम के साथ 12वीं कक्षा के 11 छात्र-छात्राओं को लैपटॉप की राशि 25 हजार माध्यमिक शिक्षा मण्डल के द्वारा प्रदान की गई। विद्यालय के बच्चे सैनिक स्कूल और नवोदय विद्यालय में चयनित हुए। विद्यालय के बच्चों ने मोगली उत्सव, जैव-विविधता प्रतियोगिता एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में सहभागिता कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय के छात्र एकांश अग्रवाल ने JEE Mains परीक्षा में चयनित होकर विद्यालय का नाम रोशन किया।

वर्तमान सत्र में हमारे विद्यालय नर्मदांचल विद्यापीठ को CBSE Aff. No. 1031471, School Code 51489 New Delhiसे संबद्धता प्राप्त हुई। खेलो MP के तहत् हमारे विद्यालय की छात्रा प्रांजल त्रिपाठी ने राज्य स्तरीय चेस प्रतियोगिता में अपनी सहभागिता दर्ज की। नर्मदांचल विद्यापीठ भविष्य में भी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

नर्मदांचल विद्यापीठ

- 26 अप्रैल 2025 को माननीय गुलशन बामरा जी के द्वारा नर्मदांचल विद्यापीठ का शैक्षणिक निरीक्षण।

- 5 जून से 14 जून तक विद्यालय में समर कैंप आयोजित किया गया। समर कैंप में योगा, सेल्फ डिफेंस, गेम्स, आर्ट एंड क्रॉफ्ट, डांस गतिविधियाँ की गईं।

- **रक्षाबंधन उत्सव** – 8 अगस्त 2025 को विद्यालय में विद्यार्थियों के द्वारा राखी एवं थाली सज्जा कार्यक्रम करवाया गया। विद्यार्थियों के द्वारा बनाई गई राखियों को हमारे रक्षक एवं स्वास्थ्य कर्मियों को बांधी गई।

- **जन्माष्टमी उत्सव** – 14अगस्त 2025 को विद्यालय में जन्माष्टमी उत्सव आयोजित किया गया। प्राइमरी विद्यार्थियों को राधा कृष्ण की झांकी रूप में प्रदर्शित किया गया। विद्यार्थियों द्वारा श्री कृष्ण के बाल रूप, मित्र सुदामा मिलन, श्री कृष्ण रासलीला की शानदार प्रस्तुति की गई।

- **स्वतंत्रता दिवस** – 15 अगस्त 2025 स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम विद्यालय की प्राचार्य महोदया श्रीमती सुरभि पाण्डेय जी के कर कमलों द्वारा किया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

- **शपथ समारोह** – 31 अगस्त 2025 को नर्मदांचल विद्यापीठ में शपथ समारोह आयोजित किया गया; जिसमें स्कूल कैप्टन, स्कूल वाइस कैप्टन, हाउस कैप्टन सभी बाल केबिनेट एवं साथ में हाउस इंचार्ज को प्राचार्य महोदया द्वारा शपथ दिलाई गई।

- **शिक्षक दिवस** – 5 सितंबर 2025 को प्राचार्य महोदया जी के द्वारा शिक्षक दिवस पर शिक्षक दिवस के महत्व को बताया गया। विद्यार्थियों द्वारा कार्यक्रम किए गए एवं शिक्षकों के लिए खेल आयोजित किया गया एवं विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों को उपहार दिए गए।

मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चन्द्रघंटा, मां कूष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कात्यायनी, मां कालरात्रि, मां महागौरी, मां सिद्धिदात्री

- **श्री गणेश उत्सव** – 27 अगस्त 2025 को विद्यालय में प्राचार्य महोदया, सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा गणेश जी की स्थापना करवाई गई। इस अवसर पर 2 सितंबर को विद्यार्थियों द्वारा श्री फल एवं मिट्टी द्वारा गणेश जी का स्वरूप बनवाया गया।

- **दशहरा उत्सव** – 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक विद्यालय मे नवरात्रि महोत्सव के उपलक्ष्य पर विद्यालय की छात्राओं द्वारा 9 दिन 9 देवियों के रूप की प्रस्तुत की गई तथा विद्यार्थियों द्वारा राम रावण संवाद और शबरी और श्री राम मिलन एवं श्री राम और भक्त हनुमान की भेंट की लीला का प्रदर्शन किया गया।

नर्मदांचल विद्यापीठ

❖ **ग्लोबल हैंड वॉशिंग डे** – 15 अक्टूबर 2025 को ग्लोबल हैंड वॉशिंग डे के अवसर पर हाथ धुलने हेतु चरणबद्ध विधि से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया।

❖ **दिवाली उत्सव** – 17 अक्टूबर 2025 नर्मदांचल विद्यापीठ में दिवाली उत्सव के उपलक्ष्य में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए कार्यक्रम की श्रृंखला में पोस्टर मेकिंग, रंगोली, थाली सजावट, दिया मेकिंग एवं डेकोरेशन गतिविधियां आयोजित की गई। प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय तृतीय स्थान पर रहे विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

❖ **मध्यप्रदेश स्थापना दिवस** – 1 नवंबर 2025 को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर नर्मदांचल विद्यापीठ द्वारा रैली निकाली गई साथ ही मध्यप्रदेश की आकृति में खड़े होकर मध्यप्रदेश गान का गायन किया गया। इस कार्यक्रम में सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

❖ **नवीन विद्यालय लोकार्पण** – 5 नवम्बर 2025 से 7 नवंबर 2025 तीन दिन तक नवीन विद्यालय का लोकार्पण कार्यक्रम किया गया जिसमें अखण्ड मानस पाठ, देवी सरस्वती की प्राणप्रतिष्ठा, कन्या पूजन, हवन एवं लोकार्पण समारोह मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ डॉ. मनमोहन वैद्य जी की उपस्थिति में सम्पन्न किया गया।

❖ **बाल दिवस** – 15 नवंबर 2025 को विद्यालय में बाल दिवस, राष्ट्रगीत वंदे मातरम् 150 वर्ष पूर्ण एवं जनजाति गौरव दिवस, बिरसा मुंडा जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत अभिभावकों एवं प्राचार्य महोदया जी के द्वारा बिरसा मुंडा एवं भारत माता के चित्र के सामने दीप प्रज्जवलन कर किया गया। बच्चों एवं शिक्षकों द्वारा खाद्य सामग्रियों की, विभिन्न प्रकार के खेल के स्टॉल लगाए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, नन्हे विद्यार्थियों द्वारा फैंसी ड्रेस की प्रस्तुति दी गई।

❖ **गणतंत्र दिवस** – दिनांक 26 जनवरी 2026 को नर्मदांचल विद्यापीठ बरगांव में गणतंत्र दिवस समारोह बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। ध्वजारोहण के पश्चात् विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

❖ **युवा दिवस** – 12 जनवरी 2026 को नर्मदांचल विद्यापीठ विद्यालय में युवा दिवस आयोजित किया गया जिसमें विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा स्वामी विवेकानंद जी के व्यक्तित्व का प्रदर्शन किया गया।

नर्मदांचल विद्यापीठ

कार्यक्रम

बच्चों के द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी गई

नर्मदांचल विद्यापीठ के नवनिर्मित भवन का हुआ भव्य लोकार्पण

● डिंडौरी / राज न्यूज नेटवर्क

जिले के शहपुरा जनपद क्षेत्र अन्तगर्त जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव स्थित शिक्षण प्रकल्प अंतर्गत नर्मदांचल विद्यापीठ के नवीन भवन का भव्य लोकार्पण गत दिवस हुआ।

कोल इंडिया के द्वारा सीएसआर मद से निर्मित नर्मदांचल विद्यापीठ का शुक्रवार को भव्य लोकार्पण हुआ लोकार्पण से पूर्व दिवस में नवीन भवन में श्रीरामचरितमानस का अखंड पाठ किया गया कन्याओं का पूजन हुआ मां सरस्वती की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई गायत्री परिवार के द्वारा हवन पूजन का कार्य किया गया एवं वास्तु पूजन भी किया गया इसके पश्चात शुक्रवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ नवीन भवन का लोकार्पण हुआ।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन किया गया इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत गीत के साथ अभिवादन किया गया तत्पश्चात कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का शाल श्रीफल एवं पुष्प माला से स्वागत किया गया विद्यालय के बच्चों के द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई।संस्था के द्वारा विशिष्ट सहयोगियों का शाल श्रीफल सम्मान किया गया।जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव के अध्यक्ष मनोहर लाल साहू ने अतिथियों का परिचय कराकर अभिवादन किया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर मनमोहन वेध अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉक्टर प्रदीप दुबे प्रांत संघ चालक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ डॉक्टर एचपी सिंह सेवानिवृत्ति न्यायमूर्ति मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर कैलाश चंद्र साहू महाप्रबंधक सीएसआरसी बिलासपुर छत्तीसगढ़,ओमप्रकाश धुर्वे विधायक शहपुरा मुख्य रूप से उपस्थित रहे साथ ही मनोहर लाल साहू अध्यक्ष जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव डॉ श्री कृष्णा बिलैया अध्यक्ष नर्मदांचल विद्यापीठ समिति डॉ सुनीलकांत वाजपेई श्याम कुमरे सेवानिवृत्ति कमिश्नर एवं रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष कृणा कुमरे सेवानिवृत्त कलेक्टर शोभना बिलैया चंद्र कुमार पाठक एसईसीएल नरेंद्र सिंह प्रकल्प की प्रभारी जाम सिंह एवं श्याम बनवाले संस्था की प्राचार्य सुरभि पांडे सहित समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावक गण उपस्थित रहे।

- **बसंत पंचमी सरस्वती पूजन** –23 जनवरी 2026 को नर्मदांचल विद्यापीठ विद्यालय में विद्यारंभ संस्कार किया गया और मां सरस्वती की पूजन हवन कर कार्यक्रम को भव्य बनाया गया।

- **महाशिवरात्रि उत्सव** – 18 फरवरी 2026 को नर्मदांचल विद्यापीठ विद्यालय में महाशिवरात्रि के पावन पर्व को अत्यंत श्रद्धा भक्ति एवं हर्षोल्लास से मनाया गया। विद्यार्थियों द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती के रूप की प्रस्तुति की गई। विद्यार्थियों द्वारा शिव जी बनवाने की गतिविधि करवाई गई।

- **राष्ट्रीय विज्ञान दिवस** – 27 फरवरी 2026 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर नर्मदांचल विद्यापीठ विद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा विज्ञान संबंधी चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जैविक कृषि

जैविक कृषि रिपोर्ट 2020 से 2025								
Year	Total Farmers	Male	Female	% Female	Villages	Average beneficiary per Village	Male : Female Ratio	Cumulative Farmers
2020	642	460	182	28.4 %	13	49	2.52	642
2021	537	377	160	29.8 %	17	32	2.36	1179
2022	823	572	251	30.5 %	12	69	2.28	2002
2023	876	635	241	27.5 %	9	97	2.64	2878
2024	1348	960	388	28.8 %	11	123	2.47	4226
2025	941	648	293	31.1 %	18	52	2.21	5167

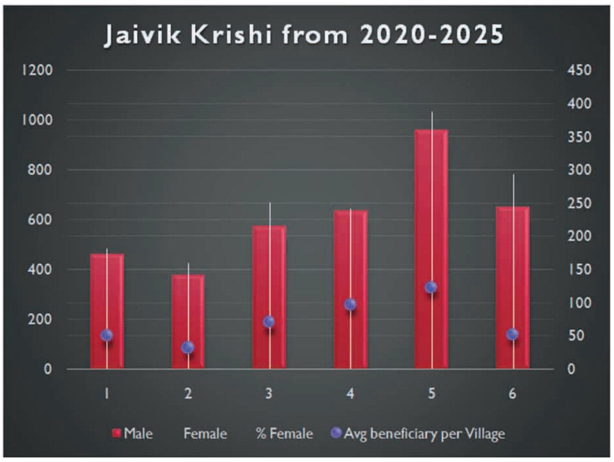

दिनांक 25 मई 2025

गतिविधि – दिनांक 25.5.2025 को जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव के तत्वाधान में एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन 'जैविक कृषि' के विषय पर रखा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती ज्ञानवती कुशराम दीदी द्वारा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री संतोष बंजारा, कपूर मरावी जी रहे। कार्यक्र म में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. एस. के बिलैया द्वारा खरीफ मौसम में लगने वाली फसलों की कृषि कार्यमाला के बारे में विस्तार

से अवगत कराया, उन्होंने फसलों में बीज से लेकर कटाई तक फसलों में कैसे जैविक उत्पादों का उपयोग जैसे बीज उपचार के लिए बीजामृत, पोषण के लिए जीवामृत एवं कीट और रोगों के लिए अग्नि अस्त्र, नीम चटनी आदि पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान किसानों को जीवा मृत बनाना, केंचुआ खाद बनाने का विधि प्रदर्शन डॉ योगेश राजपूत कृषि वैज्ञानिक अमरकंटक विश्वविद्यालय द्वारा विस्तृत रूप से किसानों को समझाया। कार्यक्रम के दौरान भोपाल से पधारे दूरदर्शन की टीम भी उपस्थित रही। कार्यक्रम में 72 महिला पुरुष किसानों ने सहभागिता की।

दिनांक 10 जून 2025

गतिविधि – जनजाति कल्याण केंद्र बरगाँव मे किसान कल्याण समिति के श्रम दान के माध्यम से धन रोपाई एवं खेत की मेड़ों पर अरहर फसल की बोवाई की गई। इस दौरान प्रमुख रूप से उमेश रजक जी, श्री धर्म सिंह मरावी जी, श्री सोहन सिंह जी एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जैविक कृषि

दिनांक 13 जून 2025

पशुधन टीकाकरण महाअभियान का विवरण						
लाभान्वित ग्रामों की संख्या	लाभान्वित पशुपालकों की संख्या	टीका करण	उपचार	कुल दलों की संख्या	चिकित्सकों एवं सहयोगी स्टॉफ संख्या	वाहन संख्या बस–05, अन्य–21
35	1388	5613	625	52	206	26

गतिविधि – दिनांक 13 जून 2025 को जनजाति कल्याण केंद्र बरगांव के सौजन्य से 35 गांव में पशुधन टीकाकरण का महाअभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डिंडौरी जिला पुलिस अधीक्षक महोदया वाहिनी सिंह जी द्वारा किया गया। इस दौरान पशु चिकित्सालय जबलपुर से 206 चिकित्सक एवं सहयोगी स्टाफ पधारे।

दिनांक 26-09 2025

गतिविधि – जनजाति कल्याण केन्द्र महाकोशल बरगांव में औषधीय उद्यान के लिए हुआ भूमिपूजन। शहपुरा-जनजाति बाहुल्य क्षेत्र में सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रहे जनजाति कल्याण केन्द्र महाकोशल बरगांव जिला डिंडोरी मध्यप्रदेश में आज जनपद पंचायत शहपुरा की अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका आर्मो जी के द्वारा भूमि पूजन कर श्रीगणेश किया गया।

औषधीय उद्यान में सभी प्रकार के औषधीय पौधों को रोपित किया जायेगा साथ ही विलुप्त हो रहे औषधीय एवं अन्य उपयोगी पौधों का संरक्षण किया जायेगा। जनजाति कल्याण केन्द्र महाकौशल के औषधीय उद्यान में नवग्रह वाटिका, नक्षत्र वाटिका भी होगी। औषधीय उद्यान में औषधीय पौधों के साथ उनके गुण- उपयोग आदि के बारे में भी जानकारी रखी जायेगी जिससे आमजन इसका लाभ उठा सकें। औषधीय उद्यान के भूमिपूजन में प्रकल्प प्रमुख श्याम जी वनवाले सहित जनजाति कल्याण केन्द्र महाकोशल के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दिनांक 7 अक्टूबर 2025

गतिविधि – जनजाति कल्याण केंद्र बरगाँव में किसान कल्याण समिति के सक्रिय सहयोग से केंद्र में जैविक सब्जी की बोवाई एवं आम के बगीचों मे नीला थोथा लगाने का कार्य किया गया। इस दौरान प्रमुख रूप से उमेश रजक जी, श्रीमती अनीता राजपूत एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जैविक कृषि

दिनांक 21 अक्टूबर 2025

गतिविधि – जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल गौ–सदन बरगांव में गोवर्धन पूजा का आयोजन धूमधाम से कर गौ माता की पूजा की गई। सांस्कृतिक, धार्मिक एवं सामाजिक विरासत को सहेजने के लिए जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल गौसदन बरगांव में गोवर्धन पूजा का आयोजन धूमधाम से कर गौ माता की पूजा की गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ के अखिल भारतीय सह–सेवा प्रमुख परम सम्मानीय राजकुमार मटाले जी भाईसाहब का सानिध्य प्राप्त हुआ, इस दौरान उन्होंने समाज में गौ माता, प्रकृति एवम् धार्मिक विरासत को सहेजने का संदेश दिया। इस दौरान एसडीएम शहपुरा श्री ऐश्वर्य वर्मा जी, जनपद अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका आर्मो जी, प्रकल्प प्रमुख श्री श्याम जी भाईसाहब, श्री रवि सिंह जी, गौ सदन समिति के अध्यक्ष श्री रमेश शरण जी, सचिव श्री उमेश रजक जी, उपाध्यक्ष श्री प्रकाश झारिया जी, कोषाध्यक्ष श्री वीरेंद्र तिवारी जी, श्री सतीश चौबे जी, किसान कल्याण समिति अध्यक्ष श्री धर्म सिंह मरावी जी, डा कुलस्ते जी, श्री मनोज यादव जी एवं गौ सदन समिति सदस्य श्रीमती देवकी टेकाम जी सहित अन्य सम्मानित जनों की उपस्थिति में गोवर्धन पूजा संपन्न हुई।

दिनांक 24 अक्टूबर 2025

गतिविधि – जनजाति कल्याण केंद्र बरगाँव मे माननीय उल्लास कुलकर्णी अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ एवं माननीय कुलपति महोदय श्री अनुपम मिश्रा जी, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय मणिपुर, भारत का प्रवास हुआ। आपके द्वारा कृषि से जुड़े हुए बहूमूल्य सुझाव प्राप्त हुए। इस दौरान कृषि विज्ञान केंद्र अमरकंटक के वैज्ञानिक श्री एस के नागरे जी एवं कृषि विज्ञान केंद्र डिंडोरी के वैज्ञानिक श्री अवधेश पटेल जी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

दिनांक 20 दिसम्बर 2025

गतिविधि – दिनांक 20 दिसंबर 2025 को देवरी विद्यालय एवं बरगांव शासकीय विद्यालय के कुल 82 छात्र–छात्राओं ने जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल, बरगांव का शैक्षिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को कृषि, जैविक खेती एवं सेवा कार्यों से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना था। कार्यक्रम के दौरान केंद्र के प्रकल्प प्रमुख आदरणीय श्याम जी भाईसाहब ने विद्यार्थियों को जनजाति कल्याण केंद्र द्वारा संचालित सेवा के 15 आयामों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस

जैविक कृषि

प्रकार केंद्र शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, स्वावलंबन एवं सामाजिक जागरण के माध्यम से जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास हेतु कार्य कर रहा है। इसके पश्चात विद्यार्थियों को पीपीटी के माध्यम से कृषि की उन्नत तकनीकों की जानकारी दी गई। भ्रमण के दौरान उन्हें कृषि एवं बागवानी की वैज्ञानिक तकनीकों से अवगत कराया गया। साथ ही विद्यार्थियों ने केंचुआ खाद इकाई का अवलोकन किया और जैविक खाद निर्माण की विधि को व्यवहारिक रूप से समझा। इस शैक्षिक भ्रमण से विद्यार्थियों में कृषि एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ी तथा जैविक खेती के महत्व को समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

दिनांक 21 दिसम्बर 2025

गतिविधि – जनजाति कल्याण केंद्र बरगाँव एक दिवसीय कृषक कार्यशाला का आयोजन जैविक कृषि एवं मृदा स्वास्थ्य विषय पर रखा गया। इस दौरान इस दौरान जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के निदेशक एवं कल्याण केंद्र के जैविक कृषि प्रभारी प्रोफेसर डॉ अभिषेक शुक्ला द्वारा किसानों को जैविक कीटनाशकों के बारे मे विस्तार से बताया। इस दौरान डॉ राकेश साहू जी द्वारा मृदा स्वास्थ्य के बारे किसानों को अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र डिंडोरी के प्रमुख डॉ अमूलकर जी द्वारा किसानों को फसल चक्र के बारे मे बताया। इस दौरान कृषि विज्ञान केंद्र डिंडोरी के बागवानी के वैज्ञानिक अवधेश पटेल जी द्वारा जैविक सब्जी की खेती के बारे में विस्तार से बताया।

दिनांक 24 दिसम्बर 2025

गतिविधि – जनजाति कल्याण केंद्र बरगाँव में मेहंदवानी विद्यालय एवं शहपुरा विकासखंड विद्यालय के छात्रों ने कृषि ट्रेड के अंतर्गत कल्याण केंद्र मे चल रहीं जैविक कृषि गतिविधियों का भ्रमण किया गया। इस दौरान छात्रों को जनजाति कल्याण केंद्र बरगाँव के प्रकल्प प्रमुख श्री श्याम बनवाले जी भाई साहब द्वारा छात्रों को केंचुआ खाद, जैविक सब्जी की तकनीकी एवं केंद्र मे लगे हुए आम के बगीचों का भ्रमण कराया गया।

दिनांक 22 फरवरी 2026

गतिविधि – जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल बरगांव में जैविक कृषि पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल के सौजन्य से किया गया। जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल, बरगांव में आज जैविक कृषि विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कृषि वैज्ञानिक एवं संस्था के प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य डॉ. योगेश राजपूत तथा प्रकल्प प्रमुख श्री श्याम जी बनवाले ने किसानों को आदर्श ग्राम की संकल्पना समझाते हुए कहा कि जैविक कृषि, स्वावलंबन और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से गांवों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 103 महिला एवं पुरुष किसानों की सक्रिय सहभागिता रही, जिससे क्षेत्र में जैविक कृषि को लेकर सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ।

“Three Days for Nation – बरगांव 2025”

- सेवांकुर भारत, मध्य प्रदेश प्रांत द्वारा “Three Days for Nation – बरगांव 2025” का आयोजन 26 से 28 दिसंबर 2025 के दौरान जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।
- इस विशेष आयोजन में कुल 142 वैद्यकीय विद्यार्थी सहभागी हुए, जिनमें 87 पुरुष एवं 55 महिला विद्यार्थी सम्मिलित थे। ये सभी विद्यार्थी 18 विभिन्न मेडिकल कॉलेजों से आए थे, जिनमें 15 MBBS, 2 BAMS एवं 1 BDS कॉलेज शामिल थे।
- विद्यार्थियों के साथ-साथ कुल 16 वरिष्ठ कंसल्टेंट डॉक्टरों ने भी पूरे तीन दिनों तक शिविर में सहभागिता की।
- जनजाति कल्याण केंद्र को आधार बनाकर, आसपास के 11 गांवों में 11 गटों के माध्यम से विद्यार्थी जनजाति बंधुओं के घरों में ठहरे। इस दौरान उन्होंने उनकी संस्कृति, जीवनशैली एवं सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों को निकट से समझा। यह प्रत्यक्ष अनुभव उनके जीवन में सेवा-भाव को और अधिक सुदृढ़ करने वाला सिद्ध होगा।
- आयोजन के दूसरे दिन, उन्हीं गांवों में नि:शुल्क वैद्यकीय शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 824 मरीजों ने लाभ उठाया— पुरुष - 568, महिलाएँ - 166 , बच्चे - 90 ।
- मध्य प्रदेश में सेवांकुर भारत का कार्य प्रारंभ हुए अभी केवल एक वर्ष ही हुआ है, किंतु One Week for Nation जैसे पूर्व आयोजनों तथा डॉ. हेडगेवार अस्पताल भेंट के माध्यम से जुड़े मध्य प्रदेश कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, समर्पण और सेवा-भाव के कारण यह आयोजन अत्यंत सफल एवं प्रभावी सिद्ध हुआ।
- यह आयोजन मध्य प्रदेश में इस स्तर पर सेवांकुर भारत का प्रथम प्रयास था, और सभी कार्यकर्ताओं की निष्ठा व मेहनत से यह एक अनुभव-सम्पन्न एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम बन सका।
- इस आयोजन को सफल बनाने में जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल का विशेष एवं उल्लेखनीय सहयोग प्राप्त हुआ।
- विशेष रूप से प्रचारक श्री श्याम जी बनवाले, प्रचारक श्री जामसिंह जी, अध्यक्ष श्री एम. एल. साहू जी, केंद्र के सचिव डॉ. एस. के. बाजपेई जी, सहसचिव श्री ज्ञानेंद्र जी का योगदान अतुलनीय एवं प्रेरणा दायी रहा।
- यह आयोजन निश्चित रूप से मध्य प्रदेश को भविष्य में सेवा-भाव से ओतप्रोत, संवेदनशील एवं नेतृत्वक्षम चिकित्सक प्रदान करेगा—ऐसी दृढ़ आशा है।

सिकलसेल नियंत्रण परियोजना

अप्रैल - 2024 से मार्च - 2026

1. परिचय - सिकल सेल एनीमिया नामक बीमारी एक अनुवांशिक समस्या है। वनांचलों में रहने वाले विशेष समुदाय के व्यक्तियों में यह एक बहुत बड़ी समस्या के रूप में सामने आई है। अनुसूचित जनजाति एवं वनांचलों के विभिन्न वर्गों एवं समुदाय के लगभग 15.20 प्रतिशत लोगों में इस बीमारी के जीन्स पाये जाते हैं। रोग ग्रसित व्यक्ति का जीवन काल अत्यंत कष्टप्रद एवं कम आयु का होता है। वनांचल में दीर्घ अवधि से रहने वाले एवं विशेष जन समुदाय में इस वंशानुगत बीमारी का प्रसार रोकने एवं वर्ष 2047 तक इसे जड़ से समाप्त करने का संकल्प माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिया गया है। भारत सरकार के संकल्प को साकार करने के लिये देश की शासकीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा संचालित सेवा कार्यों में संलग्न स्वयंसेवी संस्था जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल बरगांव एवं सहभागिता निभाने के लिए NTPC-CSR मद् से वित्त पोषण द्वारा क्षेत्र के लोगों का रक्त परीक्षण के माध्यम से सिकल सेल नियंत्रण परियोजना प्रराम्भ की गई।

2. परियोजना में निम्नलिखित स्टॉफ कार्यरत हैं -

1. चिकित्सक - डॉक्टर देवेन्द्र मरकाम
2. लेंब टेक्नीशियन - सुश्री भुमेश्वरी सूर्याम, सुश्री प्रीति पंद्राम, सुश्री लालवती यादव, सुश्री नीतू गोयल
3. काउंसलर - श्रीमती मत्तो कुंजाम, श्री सुदर्शन कुमार कुर्वेती
4. कम्प्यूटर ऑपरेटर - श्री तिलकराज सिंह

3. लाभार्थी विवरण -

परियोजना द्वारा डिंडौरी जिले के शहपुरा विकासखंड में स्क्रीनिंग कार्य पूर्ण किया जा चुका है एवं वर्तमान में डिंडौरी विकासखंड में स्क्रीनिंग का कार्य किया जा रहा है। विवरण निम्नानुसार हैं ;

जुलाई - 2024 से मार्च - 2025	
कुल	35147
रोग वाहक संख्या	4669
रोग निगेटिव संख्या	30222
रोग पीड़ित संख्या	247
पुरूष	14699
महिला	20448
विवाहित	16146
अविवाहित	19001
अनुसूचित जनजाति	23896
अन्य पिछड़ा वर्ग	7413
अनुसूचित जाति	3459
सामान्य	379
बच्चे	3613
UNDER MADICINE PATIENT	156
YELLOW CARD	156
CBC TEST	156
PORTAL ENTRY	35147

सिकलसेल नियंत्रण परियोजना

सिकलसेल परियोजना केन्द्र में एनटीपीसी के सहयोग से संचालित किया जा रहा है।

अप्रैल - 2025 से मार्च - 2026	
कुल	6663
रोग वाहक संख्या	1006
रोग निगेटिव संख्या	5600
रोग पीड़ित संख्या	57
पुरूष	2765
महिला	3898
विवाहित	3762
अविवाहित	2901
अनुसूचित जनजाति	4880
अन्य पिछड़ा वर्ग	1626
अनुसूचित जाति	115
सामान्य	33
बच्चे	654
UNDER MADICINE PATIENT	19
YELLOW CARD	19
CBC TEST	19
PORTAL ENTRY	6663

कुल जाँच संख्या	41810	रोग वाहक संख्या	41810
रोग पीड़ित संख्या	304	रोग निगेटिव संख्या	35822

परीक्षण के दौरान प्राप्त परिणाम का वर्गवार विवरण

जाति	कुल स्क्रीनिंग		रोगी		वाहक		स्वस्थ		योग
	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	
अनुसूचित जनजाति	16921	11864	106	77	2156	1433	14659	10354	28785
अनुसूचित जाति	2355	1918	27	38	537	417	1791	1463	4273
अन्य पिछड़ा वर्ग	4856	3484	31	25	663	446	4162	3013	8340
सामान्य	214	198	0	0	13	9	201	189	412
योग	24346	17464	164	140	3369	2305	20813	15019	41810

सिकलसेल नियंत्रण परियोजना

4. मार्गदर्शक सलाहकार मण्डल –

1.	श्री मनोहर लाल साहू	–	अध्यक्ष, जनजाति कल्याण केन्द्र महाकोशल बरगांव।
2.	डॉ. अशोक खण्डेलवाल	–	कुलगुरु, मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर।
3.	श्री संदीप रजक	–	आयुक्त, नि:शक्तजन कल्याण मध्यप्रदेश, भोपाल।

5. परियोजना समन्वयक – डॉ.एस. के. वाजपेयी जबलपुर

6. परियोजना सह-समन्वयक – श्री शैलेश मिश्रा, मण्डला

7. समिति सदस्य

1. डॉ. हरिशंकर मरकाम, जबलपुर
2. डॉ. सी. एस. भवेदी, शहपुरा
3. डॉ. श्वेता जैन, शहपुरा
4. श्री प्रकाश झारिया, अमेरा
5. श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, जबलपुर
6. श्री रवि सिंह, उमरिया
7. डॉ. मनोज उरैती, डिण्डोरी
8. श्री पुरुषोत्तम पटेल, जबलपुर
9. श्री प्रशांत कटियार, जबलपुर

8. फोटोग्राफ

मध्यप्रदेश शासन की नगरीय प्रशासन राज्य मंत्री एवं डिंडौरी जिला की प्रभारी मंत्री माननीया श्रीमती प्रतिभा बागरी जी के द्वारा 21.04.2025 को सिकल सेल परियोजना कार्यालय का आवलोकन किया गया ।

सिकलसेल नियंत्रण परियोजना

प्रमुख सचिव माननीय श्री गुलशन बामरा जी के द्वारा 26.04.2025 को सिकल सेल परियोजना का निरीक्षण किया गया तथा कार्यकर्ताओं का प्रोत्साहन किया गया।

मोहती के गेड़ी नृत्य दल ने जीता प्रथम पुरस्कार

आयोजन ● दो दिवसीय राष्ट्रीय जनजाति लोकोत्सव का किया गया समापन, 142 दलों ने बिखेरे लोक संस्कृति के रंग

नईदुनिया प्रतिनिधि, डिंडौरी शहपुरा : जिले के जनपद शहपुरा अंतर्गत जनजाति कल्याण केंद्र बरगांव में मध्यप्रदेश संस्कृति संचालनालय और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जनजातीय लोक सांस्कृतिक मेला व लोक नृत्य प्रतियोगिता का समापन हुआ। कलेक्टर अंजु पवन भदौरिया व नोडल अधिकारी एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस महाकुंभ में जनजातीय परंपराओं और कला का अद्भुत संगम देखने को मिला। लोक नृत्य की महा प्रतियोगिता में 142 दलों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा और वाद्ययंत्रों के साथ मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुतियां दीं। कड़े मुकाबले के बाद प्रथम स्थान आरती मरकाम के नेतृत्व वाले मोहती गेड़ी नृत्य दल को मिला। इन्हें 51000 रुपये की राशि, प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। द्वितीय स्थान पर रहे आनंद बछलहा के गोंडी महाभारत दल बजाग को 31000 रुपये की राशि प्रदान की गई। तृतीय स्थान पर रहे उर्मिला पेन्द्रे के आदिवासी गोंड दल करंजिया को 11000 रुपये से पुरस्कृत किया गया। उत्सव का शुभारंभ बच्चों के लिए आयोजित कला मैराथन से हुआ।

बालक वर्ग मैराथन में सौरभ धुर्वे प्रथम, हिमेश मरकाम द्वितीय और सत्यम वरकड़े तृतीय विजेता रहे। बालिका वर्ग मैराथन में रोशनी प्रथम, शिवकुमारी द्वितीय और सरस्वती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मांदर की थाप पर थिरके विधायकः समापन समारोह की अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने की। कलाकारों के उत्साह को देखकर विधायक स्वयं को रोक नहीं पाए और मांदर थामकर कलाकारों के साथ थिरक उठे। अपने संबोधन में उन्होंने संस्कृति विभाग की इस पहल को ऐतिहासिक बताया। विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्मश्री अर्जुन धुर्वे, मनोहरलाल साहू, डॉ. सुनील कांत वाजपेई, और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रदेश के संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, कैबिनेट मंत्री सम्पतिया उइके और वरिष्ठ समाजसेवी राजकुमार मटाले वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े।

एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा ने कहा कि जनजातीय लोक कलाओं का संरक्षण और संवर्धन समय की मांग है और ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं। कार्यक्रम का संचालन तपु मोहंती और आभार प्रदर्शन कार्यक्रम संयोजक डॉ. हरिशंकर मरकाम विभागाध्यक्ष दंत चिकित्सा जबलपुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रदर्शन व सहयोग की दृष्टि से मनोहर लाल साहू, डॉ सुनील कांत वाजपेई, धर्म सिंह मरावी, अजमेर सिंह तेकाम, विक्रम सिंह श्याम, बनमाले सतीश, चौबे प्रकाश झारिया, अश्विनी साहू, धनेश परस्ते, अमृतलाल वाल्रे, पूजा द्विवेदी, सुरभि पांडे, अमर सिंह, ठलाड़ी मानिक झारिया, सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और कला प्रेमी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि। © नईदुनिया

21.01.2025 ग्राम बाकी में प्रमुख अधिकारी माननीय श्री राजकुमार जी मटाले अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख एवं शहपुरा विकासखंड के एसडीएम माननीय श्री ऐश्वर्य वर्मा जी की उपस्थिति में सिकल सेल स्क्रीनिंग किया गया।

दिनांक 21.01.2025 को ही जनजाति कल्याण केन्द्र के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ राजस्व एवं स्वास्थ्य की टीम का सिकलसेल अभियान में काम करने वाली टीम का निरीक्षण किया गया। काम अच्छा एवं प्रगतिशील पाया गया।

अन्य गतिविधियाँ

दिनांक 19 अप्रैल 2025 को माननीय प्रांत संघचालक डॉ. प्रदीप दुबे जी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महाकोशल प्रांत (केंद्र – जबलपुर) जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल बरगांव में प्रवास हुआ। सायं शाखा में वीरनारायण जनजाति बालक छात्रावास के विद्यार्थियों के द्वारा उनके समक्ष शारीरिक सूर्य नमस्कार, समता, नियुद्ध एवं मलखंभ का प्रदर्शन किया गया तत्पश्चात प्रांत संघचालक जी का सभी को मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर केंद्र के सभी पदाधिकारी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनजाति कल्याण केन्द्र, महाकोशल बरगांव में ऑडिटोरियम का भूमि पूजन कार्यक्रम तथा सामुदायिक भवन लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर माननीय क्षेत्र संघचालक डॉ. पूर्णेन्दु सक्सेना जी, माननीय प्रान्त संघ चालक डॉ. प्रदीप दुबे जी, मध्यप्रदेश सरकार की नगरीय आवास (राज्यमंत्री) सह प्रभारी मंत्री डिंडौरी श्रीमती प्रतिमा बागरी जी, माननीय मण्डला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते जी, सीधी सांसद श्री राजेश मिश्रा जी, मध्यप्रदेश भाजपा के कोषाध्यक्ष तथा गेल इंडिया के निदेशक श्री अखिलेश जैन जी तथा केंद्र के अधिकारीगण एवं वरिष्ठ सदस्यगण गणमान्य जनों की उपस्थिति रही।

जनजातीय संस्कृति के सुर-ताल से गूंजा बरगांव, मोहती के गेड़ी नृत्य दल ने बांधा समां

▶ **राष्ट्रीय जनजाति लोकोत्सव का समापन**

शहपुरा नवभारत 24 मार्च। जिले के जनजाति कल्याण केंद्र, बरगांव में मध्य प्रदेश संस्कृति संचालनालय और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय 'राष्ट्रीय जनजातीय लोक सांस्कृतिक मेला एवं लोक नृत्य प्रतियोगिता' का समापन हुआ। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया एवं नोडल अधिकारी एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस महाकुंभ में जनजातीय परंपराओं और कला का अद्भुत संगम देखने को मिला।

लोक नृत्य की महा-प्रतियोगिता में 142 दलों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा और वाद्ययंत्रों के साथ मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुतियां दीं। कड़े मुकाबले के बाद प्रथम स्थान: आरती मरकाम के नेतृत्व वाले मोहती गेड़ी नृत्य दल को मिला। द्वितीय स्थान आनंद बछलहा के गोंडी महाभारत दल (बजाग) को, तृतीय स्थान उर्मिला पेन्द्रे के आदिवासी गोंड दल (करंजिया) को मिला। उत्सव का शुभारंभ बच्चों के लिए आयोजित 'कला मैराथन' से हुआ। बालक वर्ग मैराथन में सौरभ धुर्वे प्रथम, हिमेश मरकाम द्वितीय और सत्यम वरकड़े तृतीय रहे। बालिका वर्ग मैराथन में रोशनी प्रथम, शिवकुमारी द्वितीय और सरस्वती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मांदर की थाप पर थिरके विधायक–समापन समारोह की अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने की। कलाकारों के उत्साह को देखकर विधायक स्वयं को रोक नहीं पाए और मांदर थामकर कलाकारों के साथ थिरक उठे। अपने संबोधन में उन्होंने संस्कृति विभाग की इस पहल को ऐतिहासिक बताया। विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्मश्री अर्जुन धुर्वे, मनोहरलाल साहू, डॉ. सुनील कांत वाजपेई, और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रदेश के संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, कैबिनेट मंत्री सम्पतिया उईके और वरिष्ठ समाजसेवी राजकुमार मटाले ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

अन्य गतिविधियाँ

दिनांक 26 अप्रैल 2025 को जनजाति कार्य विभाग, मध्यप्रदेश शासन के प्रमुख सचिव श्री गुलशन बामरा जी (IAS) का जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल बरगांव-शहपुरा, जिला-डिंडोरी (म.प्र.) में प्रवास हुआ। केंद्र के अध्यक्ष मनोहर लाल साहू जी, उपाध्यक्ष श्री शैलेश मिश्रा जी, शताब्दी विस्तारक श्री महेंद्र अरजरिया जी एवं प्रबंध कार्यकारिणी के सदस्यों तथा विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सुरभि पाण्डेय व विद्यालय के छात्र-छात्राओं का घोष दल व तिलक कर, पुष्प-गुच्छ के द्वारा उनका स्वागत किया गया। जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल बरगांव के प्रबंध कार्यकारिणी सदस्यों के द्वारा उन्हें श्रीफल, वर्तिका एवं रामायण भेंट किया गया। सर्वप्रथम परिसर भ्रमण के दौरान उन्होंने सिद्ध बाबा एवं भगवान भरतेश्वर के दर्शन किए। जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल बरगांव द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों में से एक वीरनारायण जनजाति बालक छात्रावास, सिकलसेल नियंत्रण परियोजना, गौशाला, नव निर्माणाधीन विद्यालय भवन, नर्मदांचल विद्यापीठ का उन्होंने अवलोकन किया। इस अवसर पर शासन-प्रशासन के अधिकारी व जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल बरगांव के सभी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

दिनांक 26 अप्रैल को मध्य प्रदेश सरकार के जनजातीय कार्य मंत्री माननीय कुंवर विजय शाह का जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल बरगांव जिला डिंडौरी में आगमन हुआ उन्होंने केंद्र में संचालित विभिन्न गतिविधियों का भ्रमण कर अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए जनजातीय समुदाय के विकास हेतु चल रहे प्रयासों की जानकारी ली। इस अवसर पर केंद्र के अधिकारी, कार्यकर्ता, शासन-प्रशासन के अधिकारी एवं केंद्र के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मंत्री जी ने केंद्र की गतिविधियों को जनजातीय समाज के सशक्तिकरण की दिशा में उपयोगी बताया।

दिनांक 25.5.2025 को जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव के तत्वाधान में एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन 'जैविक कृषि' के विषय पर रखा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती ज्ञानवती कुशराम दीदी द्वारा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री संतोष बंजारा, कपूर मरावी जी रहे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो.एस. के. बिलैया द्वारा खरीफ मौसम में लगाने वाली फसलों की कृषि कार्यशाला के बारे में विस्तार से अवगत कराया, उन्होंने फसलों में बीज से लेकर कटाई तक फसलों में कैसे जैविक

अन्य गतिविधियाँ

उत्पादों का उपयोग जैसे बीज उपचार के लिए बीजामृत, पोषण के लिए जीवामृत एवं कीट और रोगों के लिए अग्नि अस्त्र, नीम चटनी आदि पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान किसानों को जीवा मृत बनाना, केंचुआ खाद बनाने की विधि प्रदर्शन डॉ. योगेश राजपूत कृषि वैज्ञानिक आई जी एन टी यू, अमरकंटक द्वारा विस्तृत रूप से किसानों को समझाया। कार्यक्रम में कल्याण केंद्र के अध्यक्ष आदरणीय मनोहर लाल साहू जी, किसान कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री धर्म सिंह मरावी जी, केंद्र के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री सतीश चौबे जी, श्री उमेश रजक जी, सोन सिंह कुशराम विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान भोपाल से पधारे दूरदर्शन की टीम भी उपस्थित रही। कार्यक्रम में 72 महिला पुरुष किसानों ने सहभागिता की।

दिनांक 2 जून 2025 को 'पशुधन टीकाकरण महाअभियान' के निमित्त, 13 जून 2025 जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल बरगांव में बैठक आयोजित कर कार्यक्रम की तैयारी के संबंध में चर्चा की गई। ज्ञातव्य रहे कि महाअभियान, केंद्र के संयोजकत्व में नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर तथा पशुपालन एवं डेयरी विभाग जबलपुर संभाग के सहयोग से प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है, जिसमें जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल बरगांव के आसपास के 35 गांवों के पशुपालकों के गौ-भैंस वंशीय पशुओं में बरसात के मौसम में होने वाली जानलेवा संक्रामक बीमारियों से बचाव हेतु एक दिवसीय टीकाकरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता हैं। इस बैठक में डॉ. एस. के. बाजपेयी सचिव जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल बरगांव, श्री जाम सिंह प्रबंधक, डॉ. एच. पी. शुक्ला उप संचालक पशुपालन डिंडोरी एवं विभाग से डॉ. अनुराधा पटेल, श्री प्रकाश झारिया, श्री जी. पी. गवले एवं श्री नरेंद्र उईके उपस्थित रहे।

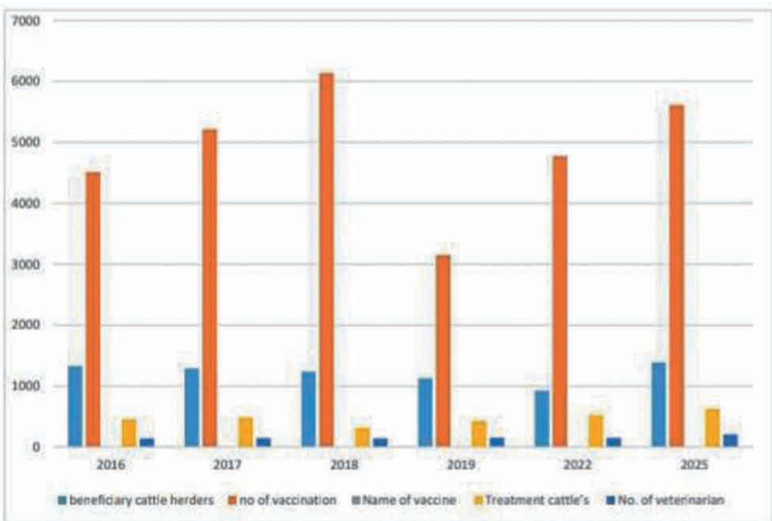

जनजाति कल्याण केन्द्र महाकोशल बरगांव द्वारा संचालित गौ शाला ''जनजाति कल्याण केंद्र

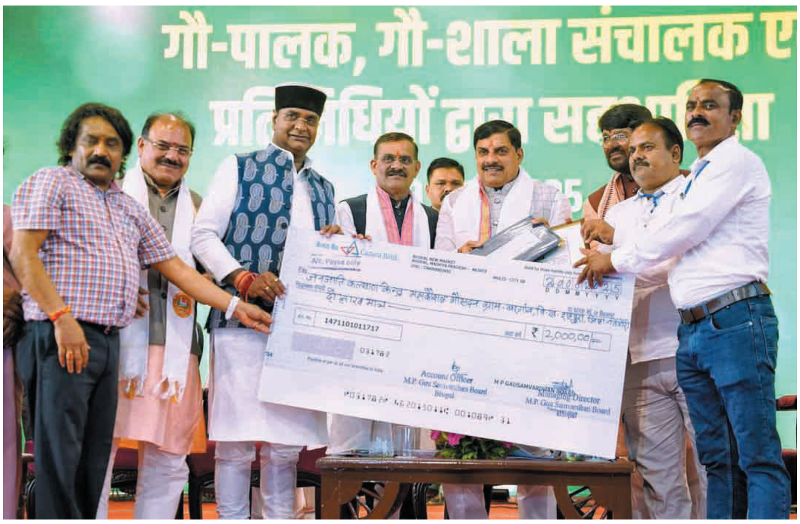

अन्य गतिविधियाँ

महाकोशल गोसदन बरगांव'' का चयन मध्य प्रदेश शासन द्वारा दिये जाने वाले आचार्य श्री विद्यासागर जीवदया (गौसेवा) पुरस्कार के लिया किया गया। ज्ञातव्य है कि यह पुरस्कार राज्य शासन द्वारा प्रतिवर्ष गौसेवा, संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं अथवा व्यक्तियों को दिया जाता है। केंद्र द्वारा संचालित गौशाला ''जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल गोसदन बरगांव'' को राज्य स्तरीय तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। पुरस्कार प्राप्त करने के दौरान गौशाला समिति के श्री वीरेंद्र तिवारी उपाध्यक्ष, श्री राधेश्याम साहू सचिव, श्री मनोज सोनी कोषाध्यक्ष एवं श्री प्रकाश झारिया उपस्थित रहे। पुरस्कार समारोह मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के निवास प्रांगण भोपाल में माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी, आदरणीय प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णु दत्त शर्मा जी एवम आदरणीय लखन पटेल जी मंत्री पशु पालन एवं डेयरी विभाग की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल बरगांव की साधारण सभा की बैठक संपन्न हुई। बैठक दिनांक 13 जुलाई 2025 दिन रविवार को संस्था के मुख्यालय जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल बरगांव स्थित केशव सभागार में संपन्न हुई जिसमें संस्था की गतिविधियों का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। बैठक में आगामी वर्ष की कार्य योजना बनाई गई जिसका साधारण सभा की बैठक में अनुमोदन किया गया। बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख माननीय राजकुमार मटाले जी का सभी सदस्यों को सानिध्य प्राप्त हुआ।

14 जुलाई 2025 जनजातीय समाज को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि विकसित भारत@2047 के निर्माता के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के मध्य आज सावन के सोमवार को एक अत्यंत महत्वपूर्ण समझौता (MoU) सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ब्योमकेश त्रिपाठी ने कहा कि यह समझौता केवल औपचारिक अनुबंध नहीं, बल्कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, संवैधानिक मूल्यों और आत्मनिर्भर भारत की त्रयी का जीवंत और क्रांतिकारी स्वरूप है। इसमें संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएँ, पाठ्यक्रम विकास, जनजातीय

उद्यमिता मॉडल, तकनीकी साझेदारी और वैश्विक स्तर पर जनजातीय पहचान के ब्रांडिंग की ठोस कार्ययोजनाएँ सम्मिलित हैं। डॉ. एम. एल. साहू, अध्यक्ष, जनजातीय कल्याण केंद्र महाकौशल ने अपने वक्तव्य में बताया कि इस एमओयू के अंतर्गत जनजातीय क्षेत्रों में बेसलाइन और आवश्यकताएं मूल्यांकन सर्वेक्षण, आयुष मंत्रालय के सहयोग से स्वास्थ्य मॉडल का विकास, और

अन्य गतिविधियाँ

जनजातीय ज्ञान–संसाधन पुस्तकालयों एवं संग्रहालयों की स्थापना की जाएगी। इस ऐतिहासिक अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख श्री राजकुमार मटाले, कुलपति प्रो. ब्योमकेश त्रिपाठी, अध्यक्ष डॉ. एम.एल. साहू, स्वदेशी शोध संस्थान के राष्ट्रीय सचिव प्रो. विकास सिंह, अधिवक्ता ज्ञानेंद्र सिंह, शिशिर सिंह बिसेन, श्याम जी, जाम सिंह जी, श्रवण पटेल, डॉ. दिग्विजय फुकन, डॉ. धर्मेन्द्र झारिया सहित अनेक शिक्षाविद्, सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनजातीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे। यह समझौता जनजातीय सशक्तिकरण की दिशा में भारत के समावेशी विकास हेतु एक प्रेरणादायक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

दिनांक 20.7.2025 को जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल में साप्ताहिक निशुल्क चिकित्सा शिविर संपन्न हुआ जिसमें कुल 32 मरीजो का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। 19 बच्चों की health record फाइल तैयार की गई जिसमें उनका नाम, पता, वजन, ऊंचाई एवं BMI calculation, Base line CBC, HB, past history of any disease का परीक्षण किया। शिविर में डॉ. प्रभात अवधिया RBSK शाहपुर, अमित नामदेव जी लैब टेक्नीशियन शहपुरा, डॉ. अमित जैन MD, डॉक्टर अंकित पटेल जी MD, डॉ श्वेता जैन, सिकल सेल यूनिट लैब टेक्नीशियन, हॉस्टल वार्डन हेमू जी एवं छत्रपाल जी प्रबंधक जाम सिंह जी, अध्यक्ष मनोहर लाल साहू जी की उपस्थिति रही।

दिनांक 24 जुलाई 2025 को IAS श्री विवेक पोरवाल साहब प्रमुख सचिव राजस्व से जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल के प्रमुख कार्यकर्ता श्री ज्ञानेंद्र सिंह, श्री सिद्धार्थ गौतम तथा श्री चंद्रशेखर पटेल ने सौजन्य भेट कर प्रकल्प में चल रहे सेवा कार्यों की जानकारी दी एवं केंद्र का वार्षिक प्रतिवेदन एवं वर्तिका पत्रिका भेंट की।

बांधवगढ़ नेशनल पार्क में भ्रमण के पश्चात् छात्रों के साथ सुश्री मीना सिंह जी स्थानीय विधायक द्वारा संवाद किया गया तथा छात्रों को शहडोल संभाग आयुक्त श्रीमती सुरभि गुप्ता जी तथा डिप्टी डायरेक्टर श्री पाठक जी का सान्निध्य प्राप्त हुआ।

वीर नारायण जनजाति बालक छात्रावास

वर्ष 2025-2026 के प्रवेश छात्रों की जानकारी

कक्षा 6वीं	कक्षा 7वीं	कक्षा 8वीं	कक्षा 9वीं	कक्षा 10वीं	कक्षा 11वीं	कक्षा 12वीं	योग
19	35	29	08	13	02	01	107

वीर नारायण छात्रावास केन्द्र में गेल इंडिया के सहयोग से संचालित किया जा रहा है।

दिनांक 09/07/2025 - वीर नारायण जनजाति बालक छात्रावास में नवीन प्रवेश के लिये छात्रों को नर्मदाचंल विद्यापीठ बरगांव में प्रवेश कराया गया। छात्रावास में प्रवेशी सभी छात्रों को पाठ्य पुस्तक, स्टेशनरी, गणवेश, मच्छरदानी, बैग, पानी-बॉटल, एवं नित्य उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराई गई एवं प्रस्तावित परियोजना अनुसार बच्चों को कोचिंग, खेल, योगा, संगीत, चिकित्सा एवं काउसिंलिंग सुविधा प्रारंभ की गई एवं छात्रों के सामान्य ज्ञान को बढाने हेतु मासिक पत्र पत्रिका एवं समाचार पत्र उपलब्ध कराये गये। सभी छात्रों को आवास, भोजन एवं बेडिंग नित्य उपयोगी सामग्री प्रदान की गई। बच्चों की हेयर कटिंग करायी गयी ।

जिला एवं तहसीलवार जानकारी

डिण्डौरी

शहपुरा तहसील से	-	80 छात्र
मेहदवानी तहसील से	-	03 छात्र
अमरपुर तहसील से	-	02 छात्र
समनापुर तहसील से	-	01 छात्र
बजाग तहसील से	-	03 छात्र
डिण्डौरी तहसील से	-	10 छात्र
शहडोल		
गोहपारू तहसील से	-	01 छात्र
उमरिया		
चंदिया तहसील से	-	02 छात्र
करकेली तहसील से	-	02 छात्र
जबलपुर		
कुण्डम तहसील से	-	01 छात्र
कटनी		
ढीमरखेडा तहसील से	-	02 छात्र
कुल योग	-	**107 छात्र**

छात्रों की वर्गवार जानकारी

गोंड जाति	-	97
बैगा जाति	-	04
कोल जाति	-	03
धुलिया जाति	-	01
पिछड़ा वर्ग	-	02
कुल योग	-	**107**

अगस्त 2025 - प्रस्तावित परियोजना अनुसार बच्चों को कोचिंग, खेल, योगा, संगीत, चिकित्सा एवं काउंसलिंग सुविधा प्रारंभ की गई एवं छात्रों के सामान्य ज्ञान को बढाने हेतु मासिक पत्र पत्रिका एवं समाचार पत्र उपलब्ध कराये गये। सभी छात्रों को आवास, भोजन एवं बेडिंग एवं नित्य उपयोगी सामाग्री उपलब्ध कराई गई ।बच्चों का केश-सज्जा कराया गया एवं बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराकर टीकाकरण कराया गया।15 अगस्त राष्ट्रीय पर्व छात्रावास के वच्चों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम में भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया।

सितम्बर 2025 - वीर नारायण जनजाति बालक छात्रावास छात्रों के द्वारा वृक्षारोपण कराया गया एवं जीवन में वृक्षों के महत्व से अवगत कराया गया। कृषि के क्षेत्र में जैविक खाद्य एवं कृषि उपकरणों एवं पशुपालन की जानकारी दी गई। आने वाली तिमाही परीक्षा की तैयार करायी गई एवं सभी छात्रों को अच्छे अंक से पास होने के लिए प्रेरित किया गया।

अक्टूबर 2025 - वीर नारायण जनजाति बालक छात्रावास के श्री छतर सिंह धुर्वे अधीक्षक द्वारा तिमाही परीक्षा की तैयारी एवं अच्छे परिणाम लाने हेतु बच्चों को प्रेरित किया गया तथा विद्यालय से संबंधित सभी प्रकार की गतिविधियों तथा बच्चों की पढ़ाई की जानकारी ली। खेल के महत्व को बताते हुए बच्चो में खेल की प्रेरणा दी एवं विभिन्न खेलों में बच्चों की रुचि बढ़ाई । अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, कम्प्यूटर कोचिंग क्लास प्रतिदिन लगाई गई तथा प्रातः छात्रों को योगा कराया गया एवं छात्रावास में अध्ययनरत छात्रों के अभिभावकों के साथ बैठक में विस्तार से सभी गतिविधियों के बारे में संवाद किया गया।

नवम्बर 2025 - वीर नारायण जनजाति बालक छात्रावास में अंकित यादव के द्वारा मलखंब, खो-खो, वॉलीबॉल की प्रशिक्षण किया गया जिसमें छात्रों को सर्वांगीण विकास हेतु मलखंब का प्रशिक्षण दिया गया छात्रों में शारीरिक फिटनेस, आत्मविश्वास, संतुलन और अनुशासन जैसे गुणों का भी विकास किया गया। छात्रों को हर खेल में भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया एवं अभ्यास कराया गया।

दिसम्बर 2025 - छात्रावास के समस्त छात्रों में अध्यात्मिक ज्ञान, व्यावहारिक जीवन, सदाचरण का महत्त्व एवं उनका जीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा इस विषय में छात्रों को जानकारी प्रदान की गयी। छात्रावास में निबंध लेखन, रामायाण प्रश्नोत्तरी, श्रीमदभागवत श्लोकों का अभ्यास एवं सामूहिक व्यायाम योग इत्यादि कार्यक्रम कराये गये। वीर नारायण जनजाति बालक छात्रावास में रहकर अध्ययन कर रहे छात्रों के साथ

वीर नारायण जनजाति बालक छात्रावास

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव का सपरिवार छात्रावास का अवलोकन करते हुए बच्चों के साथ संवाद किए, साथ ही साथ छात्रावास के दिनचर्या एवं अनुशासन अन्य गतिविधियों के विषय विस्तार से चर्चाएं की गई।

12 जनवरी 2026 – स्वामी विवेकानंद जी के जयंती पर हर साल 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया गया। स्वामी विवेकानंद युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत थे। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा उठो जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। युवाओं को निडर सशक्त और राष्ट्र निर्माता बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने निस्वार्थ सेवा का महत्व समझाया।

16 जनवरी 2026 – वीर नारायण जनजाति बालक छात्रावास की वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में उपस्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख श्रीमान राजकुमार मटाले जी एवं छात्रावास के समस्त सदस्यगण एवं आसपास के प्रबुद्धजन भी उपस्थित रहे। यह छात्रावास के वार्षिक उत्सव छात्रों के विकास के लिए विभिन्न खेल, मलखंब, कबडडी, खो-खो, क्विज, गीत, सुभाषित भाषण, प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। वार्षिक उत्सव छात्रों का सामाजिक कौशल विकसित करता है। टीमवर्क नेतृत्व और संचार आदि नए अनुभव प्राप्त करने का अवसर होता है।

19 जनवरी 2026 – **भ्रमण कार्यक्रम** – वीरनारायण जनजाति बालक छात्रावास में अध्ययनरत 50 छात्रों को निम्न स्थानों में दो (3) दिवसीय दिनांक 19/01/2026 से 20/01/2026 भ्रमण कराया गया।

घुघवा जीवाश्म – यह जीव वैज्ञानिक कुलों के 31 वंशों के पौधों के जीवाश्म (फॉसिल) मिलते हैं। यह उद्यान लगभग 75 एकड़ में फैला हुआ है और यहाँ 6.5 करोड़ वर्ष पुराने जीवाश्म पाये गये जिनमें ताड़, नारियल, यूकेलिप्टस, केले के पौधे एवं डायनासोर के अंडे पाये जाते हैं, आदि के विषयों में छात्रों को प्रत्यक्ष रूप से जानकारी प्राप्त कराया गया।

मंडला – मंडला में मां नर्मदा के पावन तट पर केबिनेट मंत्री मध्यप्रदेश शासन श्रीमती सम्पतिया उइके जी एवं कलेक्टर सोमेश मिश्रा जी ने छात्रों के साथ संवाद किये। जनजाति कल्याण केन्द्र महाकोशल बरगांव के उपाध्यक्ष शैलेष मिश्रा जी एवं श्रीमान विक्रम सिंह जी के नेतृत्व में छात्रों का संवाद हुआ।

कान्हा किसली: कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान के शैक्षणिक भ्रमण से छात्रों को प्रत्यक्ष अनुभव और ज्ञान प्राप्त हुआ जो पुस्तकीय ज्ञान से अलग होता है। व्यक्तिगत विकास भ्रमण से अपने बारे में तथा लक्ष्यों को निर्धारित करने का अवसर मिलता है। सामाजिक कौशल भ्रमण में छात्रों को नये लोगों से नये-नये अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलता है तथा अनुशासन एवं संगठन के महत्व को समझने का अवसर प्राप्त होता है।

मलखंभ – **दिनांक 26/01/2026** – गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर जनजाति कल्याण केन्द्र महाकोशल बरगांव द्वारा संचालित वीर नारायण जनजाति बालक छात्रावास में अध्ययनरत छात्रों के द्वारा शहपुरा नगर में 26 जनवरी को मलखंभ का प्रदर्शन किया गया जिसमें क्षेत्रीय विधायक माननीय श्री ओमप्रकाश धुर्वे जी एवं स्थानीय लोगों ने काफी सराहा। विधायक जी ने छात्रों को सर्वांगीण विकास हेतु मलखंभ जैसे पारंपरिक खेल न केवल शारीरिक फिटनेस को बढावा देते हैं बल्कि आत्मविश्वास का विकास करते हैं आदि विषयों में विस्तार से अपना विचार व्यक्त करते हुए 21,000 इनाम की घोषणा की।

15 फरवरी 2026 – महाशिवरात्रि में जनजाति कल्याण केन्द्र महाकोशल बरगांव में विशाल मेला का आयोजन किया जाता है एवं सामाजिक कौशल मेला में छात्रों को नये लोगों से मिलने एवं बातचीत करने का अवसर मिलता है, जिससे उनके सामाजिक कौशल में सुधार मिलता है। मेला में छात्रों को अपने निर्णय लेने एवं अपने पैसे का उपयोग करने का अवसर मिलता है जिससे छात्रों की स्वतंत्रता बढती है। मेला में छात्रों को अपने डर को पार करने और नये अनुभवों को प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

19 फरवरी 2026 – छात्रावास के विद्यार्थी छत्रपति शिवाजी महाराज जी के जयंती कार्यक्रम में भाग लिया। जिसमें मोहित पट्टा ने शिवाजी महाराज का रूप धारण कर शिवाजी के विषय में अपने विचार व्यक्त किये। छत्रपति शिवाजी महाराज भारत के महान वीर योद्धा एवं कुशल प्रशासक और मराठा साम्राज्य के संस्थापक थे। उन्होंने अपने प्रजा के धर्म और सम्मान की रक्षा के विषय में विस्तार से बताया गया।

28 फरवरी 2026 – राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की शुरूआत भारत सरकार ने 1986 में की थी ताकि भारत में वैज्ञानिक जागरूकता बढे और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समाज को जागरूक किया जा सके। विज्ञान दिवस के अवसर पर छात्रावास के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में भाग लिया। जैसे पवनचक्की, सूक्ष्मदर्शी, मॉडल हार्ड रोलिंग, चित्रकार, पेंटिंग, आदि।

04 मार्च 2026 – छात्रावास में होली मिलन कार्यक्रम होली के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह-सेवा प्रमुख श्रीमान राजकुमार मटाले जी एवं छात्रावास के सभी विद्यार्थी पदाधिकारी तथा अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे। होली मिलन का उद्देश्य छात्रों के बीच आपसी प्रेम एवं भाईचारा बना रहे तथा यह जीवन में उत्साह और एकता का संदेश देता है।

नर्मदा परिक्रमावासियों हेतु अन्न क्षेत्र

जुलाई 2025-26 - शास्त्रानुसार पुण्यसलीला, मोक्षदायनी, पतित पावनी माँ नर्मदा की भक्ति-भाव से की गई परिक्रमा एवं दिव्य दर्शन जीवन में सुख-सौभाग्य के साथ-साथ कीर्तिवान व आयुष्मान होने का अनुदान वरदान प्रदान करते हैं। ऋषि-मनीषी एवं संतों के तप व जप से अनुप्राणित माँ नर्मदा के पुण्य तटों पर सेवा संकल्प के साथ आपका

विराजित होना आपके कई जन्मों के पुण्य फलों को परिलक्षित करता है। लोककल्याणकारी माँ नर्मदा की श्रद्धा-भक्ति के साथ परिक्रमा करने वाले धर्मपरायण श्रद्धालुओं के प्रति आपके स्नेह भाव से परिपूर्ण सेवाकार्य, भोजन-प्रसादी एवं निवास व्यवस्था, परमार्थ परायणता की दिशा प्रेरणास्पद होकर स्तुत्य एवं वंदनीय है। भक्ति और समर्पण से भक्त यह मानते हैं कि परिक्रमा करना ईश्वर को अपने जीवन का केन्द्र मानते हैं। शास्त्रों में, परिक्रमा को पुण्यदायक बताया गया है। मध्यप्रदेश के अनुपपुर जिला में स्थित अमरकंटक एक पवित्र तीर्थ स्थल और सुन्दर पर्वतीय स्थल है। यह विंध्य और सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला के संगम क्षेत्र में बसा है जो कि घने जंगल, शांत वातावरण और पवित्र जलधारायें इस धार्मिक एवं प्राकृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बनाती हैं। जनजाति कल्याण केन्द्र महाकौशल बरगाँव में अन्न क्षेत्र परिक्रमावासियों एवं साधु संत महात्माओं के लिये आवास व्यवस्था एवं भोजन पानी की व्यवस्था की जाती है।

दिनांक 24/10/2025 से 24/02/2025 तक परिक्रमावासियों की जानकारी निम्नानुसार है-

कुल परिक्रमा वासी संख्या-3125	कुल ग्राम की संख्या-100	कुल जिले की संख्या-54

स्वास्थ्य शिविर (2014-2024)

जनजाति कल्याण केन्द्र, महाकोशल, बरगांव द्वारा वर्ष 2014 से 2024 तक विभिन्न स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से जनजातीय एवं वंचित वर्गों को स्वास्थ्य सेवाएँ, दिव्यांग प्रमाण पत्र, उपकरण वितरण तथा विशेष चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं। निम्नांकित विवरण वर्षवार एवं तिथि-वार प्रस्तुत है—

वर्ष 2014 - दिनांक 27-10-2014 को आयोजित स्वास्थ्य शिविर में कुल 7640 लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की गईं। इस शिविर में 100दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी किए गए तथा 482 उपकरण वितरित किए गए। शिविर में कुल 60 चिकित्सकों ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। इस शिविर में 27 मामले राज्य बीमारी सहायता प्रकरण अंतर्गत किये गए ।

वर्ष 2016 - दिनांक 10-03-2016 को आयोजित शिविर में 223 लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की गईं। इस शिविर में चिकित्सकों की संख्या 7 रही। **दिनांक 02-10-2016** को आयोजित शिविर में 5182 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। इस दौरान 299दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी किए गए तथा 157 उपकरण वितरित किए गए। शिविर में 152 चिकित्सकों ने सहभागिता की। इस शिविर हेतु मुख्यमंत्री प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ। **दिनांक 23-10-2016** को आयोजित शिविर में 47 लाभार्थियों को सेवाएँ दी गईं। इस शिविर में 3 चिकित्सक उपस्थित रहे तथा 17 मोतियाबिंद ऑपरेशन हुए । **दिनांक 27-11-2016** को आयोजित शिविर में 67 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। इस शिविर में 5 चिकित्सकों की उपस्थिति रही तथा 23 मोतियाबिंद ऑपरेशन किए गए। **दिनांक 25-12-2016** को आयोजित शिविर में 39 लाभार्थियों को सेवाएँ प्रदान की गईं। 3 चिकित्सकों की सहभागिता रही तथा 7 मोतियाबिंद ऑपरेशन किए गए।

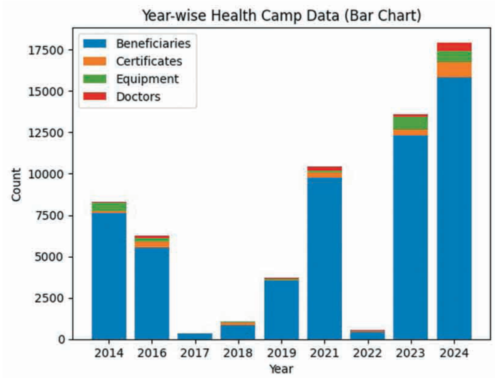

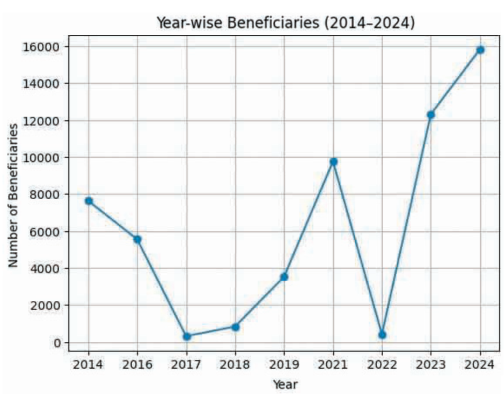

स्वास्थ्य शिविर

वर्ष 2017 - दिनांक 22-01-2017 को आयोजित शिविर में 83 लाभार्थियों को सेवाएँ दी गईं। 4 चिकित्सकों की उपस्थिति रही तथा 29 मोतियाबिंद ऑपरेशन किए गए। **दिनांक 25-06-2017** को आयोजित शिविर में 68 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। इस शिविर में 4 चिकित्सक उपस्थित रहे। **दिनांक 03-07-2017** को आयोजित शिविर में 60 लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की गईं। 4 चिकित्सकों ने अपनी सेवाएँ दीं। **दिनांक 27-08-2017** को आयोजित शिविर में 35 लाभार्थियों को सेवाएँ प्रदान की गईं तथा 4 चिकित्सक उपस्थित रहे। **दिनांक 24-09-2017** को आयोजित शिविर में 72 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। इस शिविर में 5 चिकित्सकों ने सेवाएँ प्रदान कीं।

वर्ष 2018 दिनांक 28-01-2018 को आयोजित शिविर में 17 लाभार्थियों को सेवाएँ दी गईं तथा 2 चिकित्सक उपस्थित रहे। **दिनांक 16-02-2018** को आयोजित शिविर में 200 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। इस शिविर में 5 चिकित्सकों की उपस्थिति रही तथा 32 मोतियाबिंद ऑपरेशन किए गए। **दिनांक 20-02-2018** को आयोजित शिविर में 209 लाभार्थियों को सेवाएँ प्रदान की गईं। 5 चिकित्सकों की सहभागिता रही तथा 26 मोतियाबिंद ऑपरेशन किए गए। **दिनांक 27-05-2018** को आयोजित शिविर में 29 लाभार्थियों को सेवाएँ प्रदान की गईं। इस शिविर में 3 चिकित्सक उपस्थित रहे तथा 7 मोतियाबिंद ऑपरेशन किए गए। **दिनांक 15-08-2018** को आयोजित शिविर में 73 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। 5 चिकित्सकों की उपस्थिति रही तथा 11 मोतियाबिंद ऑपरेशन किए गए। **दिनांक 07-09-2018** को आयोजित शिविर में 253 लाभार्थियों को सेवाएँ प्रदान की गईं, जिनमें 120दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी किए गए। **दिनांक 28-10-2018** को आयोजित शिविर में 60 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। इस शिविर में 3 चिकित्सक उपस्थित रहे ।

वर्ष 2019 - दिनांक 24-02-2019 को आयोजित शिविर में 30 लाभार्थियों को सेवाएँ प्रदान की गईं। इस शिविर में 3 चिकित्सकों ने भाग लिया। **दिनांक 22-09-2019** को आयोजित शिविर में 3500 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। इस दौरान 88दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी किए गए तथा 28 उपकरण वितरित किए गए। शिविर में 80 चिकित्सकों की सहभागिता रही।

वर्ष 2021 - दिनांक 24-01-2021 को आयोजित शिविर में 474 लाभार्थियों को सेवाएँ प्रदान की गईं। 11दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी किए गए, 21 उपकरण वितरित किए गए तथा 15 चिकित्सकों ने सेवाएँ दीं। **दिनांक 23-02-2021** को आयोजित शिविर में 107 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। 3 चिकित्सक उपस्थित रहे तथा 37 मोतियाबिंद ऑपरेशन किए गए। **दिनांक 09-03-2021** को आयोजित शिविर में 8502 लाभार्थियों को सेवाएँ प्रदान की गईं। 123 चिकित्सकों की सहभागिता रही। 1124 मोतियाबिंद उपचार के उपचार किये गए । **दिनांक 15-03-2021** को आयोजित शिविर में 76 लाभार्थियों को सेवाएँ दी गईं। 5 चिकित्सकों की उपस्थिति रही तथा 19 मोतियाबिंद ऑपरेशन किए गए। **दिनांक 03-11-2021** को आयोजित शिविर में 187 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। 87 उपकरण वितरित किए गए तथा 7 चिकित्सकों ने सेवाएँ दीं। 53 मोतियाबिंद उपचार के उपचार किये गए। **दिनांक 05-11-2021** को आयोजित शिविर में 338 लाभार्थियों को सेवाएँ प्रदान की गईं। 78 उपकरण वितरित किए गए तथा 12 चिकित्सकों की सहभागिता रही। 118 मोतियाबिंद उपचार के उपचार किये गए। **दिनांक 27-11-2021** को आयोजित शिविर में 85 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। 5 चिकित्सक उपस्थित रहे तथा 12 मोतियाबिंद ऑपरेशन किए गए।

वर्ष 2022 - दिनांक 20-01-2022 को आयोजित शिविर में 72 लाभार्थियों को सेवाएँ प्रदान की गईं। 3 चिकित्सकों की उपस्थिति रही। **दिनांक 12-02-2022** को आयोजित शिविर में 121 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। 43 उपकरण वितरित किए गए तथा 7 चिकित्सकने सेवाएँ दीं। **दिनांक 27-03-2022** को आयोजित शिविर में 35 लाभार्थियों को सेवाएँ प्रदान की गईं। 3 चिकित्सकों की उपस्थिति रही तथा 12 मोतियाबिंद ऑपरेशन किए गए। **दिनांक 08-04-2022** को आयोजित शिविर में 200 लाभार्थियों को कोविड टीकाकरण सुविधा दी गई।

वर्ष 2023 - दिनांक 10-09-2023 को आयोजित शिविर में 5793 लाभार्थियों को सेवाएँ प्रदान की गईं। 200चिकित्सक उपस्थित रहे तथा 712दिव्यांगों को सेवाएं प्रदान की गई। **दिनांक 09-10-2023** को आयोजित शिविर में 6530 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। 127दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी किए गए, 87 उपकरण वितरित किए गए तथा 135 चिकित्सकों ने सेवाएँ दीं।

वर्ष 2024 - दिनांक 19-04-2024 को आयोजित शिविर में 50 लाभार्थियों को सेवाएँ प्रदान की गईं। 2 चिकित्सकों की उपस्थिति रही तथा CPCR प्रशिक्षण दिया गया। **दिनांक 27-05-2024** को आयोजित शिविर में 119 लाभार्थियों को सेवाएं दी गई जिनमे से 5 मेडिकल रिफरल सुविधा प्रदान की गई। 5 चिकित्सकों ने सेवाएँ दीं। **दिनांक 22-09-2024** को आयोजित शिविर में 2000 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। 15 चिकित्सक उपस्थित रहे 450 मोतियाबिंद ऑपरेशन हुए । **दिनांक 02-10-2024** को आयोजित विशाल शिविर में 13657 लाभार्थियों को सेवाएँ प्रदान की गईं। 879दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी किए गए, 227 उपकरण वितरित किए गए तथा 528 चिकित्सकों ने सहभागिता की। 98 यूनिट रक्तदान किया गया।

इन समस्त शिविरों के माध्यम से कुल लाभार्थी–56,233 ,कुल दिव्यांग प्रमाण पत्र – 1,624 कुल उपकरण वितरण – 1,210 ,कुल चिकित्सक सहभागिता –1,425 रही। जनजाति कल्याण केन्द्र, महाकोशल, बरगांव द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर सेवा, समर्पण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। इन शिविरों ने न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदूर क्षेत्रों तक पहुँचाया, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

समाचार पत्रों में केन्द्र

त्रिपुरी टाइम्स tripuritimes@gmail.com मिला-जुला जबलपुर, सोमवार 18 अगस्त 2025 05

जनजाति कल्याण केन्द्र को मिला महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान

डिण्डोरी। जनजाति कल्याण केन्द्र, महाकौशल, बरगांव को आदिवासी कल्याण एवं विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान 2024-25 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा भोपाल में आयोजित एक समारोह में संस्था के सचिव मनोहर लाल साहू को प्रदान किया गया। महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान, मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा स्थापित किया गया है। यह प्रतिवर्ष उन व्यक्तियों और संस्थाओं को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने समाज में सौहार्द, भाईचारे और सामाजिक उत्थान में अनुकरणीय योगदान दिया हो। वर्ष 2024-25 में यह सम्मान जनजाति कल्याण केन्द्र, महाकौशल, जिला डिंडोरी को आदिवासी समाज के कल्याण और उत्थान हेतु उसके निरंतर कार्यों के लिए प्रदान किया गया।

संस्था का परिचय और कार्यक्षेत्र

गौरतलब है कि जनजाति कल्याण केन्द्र की स्थापना वर्ष 1995 में सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत हुई थी। यह एक गैर-लाभकारी चैरिटेबल ट्रस्ट है, जो लगभग तीन दशकों से आदिवासी समाज के कल्याण के लिए निरंतर कार्यरत है।

संस्था ने मेखल क्षेत्र के 25 गाँवों में स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, जैविक खेती, महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्द्धन जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं।

मुख्य गतिविधियाँ

प्रतिवर्ष मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन कर दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में सैकड़ों लोगों को स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना। आदिवासी परिवारों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना और उन्हें लाभ दिलाना। युवाओं एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शिक्षा एवं कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराना। नर्मदा परिक्रमा यात्रियों को विशेष सहयोग प्रदान करना। इन पहलों के माध्यम से संस्था ने आदिवासी समाज में आशा, गरिमा और नए अवसरों का संचार किया है, जिससे महिलाएँ और युवा आत्मनिर्भरता तथा सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। अपने पेशेवर और प्रभावी दृष्टिकोण के कारण संस्था को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर कई सम्मान प्राप्त हुए हैं। महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान 2024-25 संस्था के सौहार्द, भाईचारे और आदिवासी समाज के समग्र विकास के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण प्रतीक है।

स्वदेश ज्योति

किसानों को बताए जैविक खेती को वैज्ञानिक पद्धतियों से जोड़ने के फायदे

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

जनजाति कल्याण केंद्र, बरगांव में जैविक कृषि विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए जैविक कृषि की वैज्ञानिक, टिकाऊ और लाभकारी पद्धतियों से जोड़ना रहा। कार्यक्रम के दौरान प्रकल्प प्रमुख श्याम बनवाले ने किसानों को आदर्श ग्राम की संकल्पना समझाते हुए कहा कि जैविक कृषि, स्वावलंबन और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से गांवों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, जैविक कृषि प्रभारी एवं जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के निदेशक डॉ. अभिषेक शुक्ला ने फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों के जैविक नियंत्रण पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने प्राकृतिक शत्रुओं, जैविक कीटनाशकों और समेकित कीट प्रबंधन की उपयोगिता पर व्यावहारिक उदाहरणों के साथ प्रकाश डाला। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. कैलाश, प्राध्यापक, कीट-शास्त्र, जबलपुर ने जैविक कृषि की मूल अवधारणा, इसके दीर्घकालिक लाभ, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण और किसानों की आय में वृद्धि पर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर समाजसेवी सतीश चौबे ने किसानों से केंद्र में संचालित विभिन्न गतिविधियों पर संवाद करते हुए सहभागिता बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शांति धुर्वे ,जनपद सदस्य ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में ज्ञानवती कुशराम, सदस्य, प्रबंध समिति, कल्याण केंद्र एवं डॉ. पूरन वरकडे की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में किसान कल्याण समिति के अध्यक्ष धर्म सिंह मरावी ने सभी अतिथियों एवं किसान भाइयों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर किसान समिति के सदस्य अजमेर टेकाम, सोहन, अमर सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 103 महिला एवं पुरुष किसानों की सक्रिय सहभागिता रही।

सिकल सेल यूनिट : जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव की एक प्रभावी स्वास्थ्य पहल

- डॉ. भूपेन्द्र कुमार सुल्लेरे

सिकल सेल रोग और जनजातीय समुदाय

भारत के मध्य और पूर्वी क्षेत्रों में निवास करने वाले जनजातीय समुदायों को कई प्रकार की स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें सिकल सेल एनीमिया एक प्रमुख एवं जटिल समस्या है। यह एक आनुवंशिक रक्त विकार है, जिसमें लाल रक्त कोशिकाएं सामान्य गोल आकार के बजाय हँसिए (ह्यद्ब्ष्द्यद्ग) के आकार की हो जाती हैं और रक्त प्रवाह में बाधा उत्पन्न करती हैं। इससे पीड़ित व्यक्ति को बार-बार तेज दर्द, थकावट, रक्ताल्पता (एनीमिया) और अंगों की क्षति जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

भारत में विशेषकर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा, झारखंड जैसे राज्यों के जनजातीय क्षेत्रों में सिकल सेल रोग की व्यापकता अधिक पाई गई है। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव, डिण्डौरी द्वारा सिकल सेल यूनिट की स्थापना एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल है।

सिकल सेल यूनिट : स्थापना का उद्देश्य- जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव द्वारा स्थापित सिकल सेल यूनिट का मुख्य उद्देश्य है— जनजातीय क्षेत्रों में सिकल सेल रोग की जांच, निदान और उपचार सुविधा उपलब्ध कराना। सामुदायिक स्तर पर रोग की पहचान एवं जागरूकता फैलाना। गर्भवती महिलाओं, नवजातों एवं किशोरों की समय पर स्क्रीनिंग कर भविष्यगत जोखिम को टालना। अनुवांशिक परामर्श और परिवारों को रोग की प्रकृति समझाना। संकटग्रस्त रोगियों के लिए दवाइयों एवं खून की व्यवस्था सुनिश्चित करना।

कार्य पद्धति और गतिविधियाँ- सिकल सेल यूनिट, बरगांव निम्नलिखित प्रमुख गतिविधियाँ संचालित कर रही है—

1. निशुल्क रक्त परीक्षण शिविर- प्रत्येक माह क्षेत्रीय गांवों में भ्रमण कर निशुल्क रक्त परीक्षण के माध्यम से बच्चों, महिलाओं एवं युवाओं की स्क्रीनिंग की जाती है। इस परीक्षण से यह पता लगाया जाता है कि कोई व्यक्ति सिकल सेल ट्रेट (वाहक) है या सिकल सेल रोगी।

2. सामुदायिक स्वास्थ्य परामर्श - रोगियों को नियमित परामर्श दिया जाता है कि वे जीवनशैली में कौन-कौन से परिवर्तन करें जिससे संकट के समय दर्द के दौरे कम हों और रोग का प्रभाव घटे।

3. औषधि वितरण व आपातकालीन सहायता- संकट की स्थिति में रोगियों को प्राथमिक औषधि किट दी जाती है। इसके अंतर्गत फोलिक एसिड, पेन किलर, हाइड्रोक्सीयूरिया आदि दी जाती हैं। जरूरत पड़ने पर जिला अस्पताल से समन्वय कर खून की आपूर्ति भी कराई जाती है।

4. डेटा संकलन एवं रोग मानचित्रण- यूनिट द्वारा सिकल सेल रोगियों का डाटा संकलित कर उनकी सामाजिक-आर्थिक, स्वास्थ्यगत स्थिति का रिकॉर्ड रखा जाता है। यह शासन और शोध संस्थानों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

5. स्वास्थ्य जागरूकता अभियान- जनजातीय बहुल स्कूलों, पंचायत सभाओं, ग्राम स्तरीय मेलों आदि में स्टॉल और भाषणों के माध्यम से सिकल सेल के लक्षण, परीक्षण, और बचाव की जानकारी दी जाती है।

तकनीकी और संस्थागत सहयोग- सिकल सेल यूनिट, बरगांव को पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, एवं सिकल सेल मिशन मध्य प्रदेश से तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त जनजातीय कार्य मंत्रालय, एनएचएम, और राज्य स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं से अनुदान एवं संसाधन भी मिलते हैं।

विशेष उपलब्धियाँ- अब तक 5,000+ से अधिक जनजातीय नागरिकों की स्क्रीनिंग हो चुकी है। 100+ पुष्ट सिकल सेल रोगियों को समय पर उपचार देकर जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया गया है। कई परिवारों ने अनुवांशिक सलाह लेकर वैवाहिक निर्णयों में विवेकपूर्ण कदम उठाए। स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षित नेटवर्क तैयार किया गया है।

चुनौतियाँ और आगे की दिशा- हालांकि यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है, परंतु निम्न चुनौतियाँ अब भी सामने हैं— दूरस्थ गाँवों में पहुँचने की भौगोलिक कठिनाई, लोगों में प्रारंभिक जानकारी एवं जागरूकता की कमी, सिकल सेल ट्रेट को लेकर सामाजिक कलंक, आवश्यक दवाओं की सतत आपूर्ति की चुनौती आवश्यक है कि - इस यूनिट को मोबाइल स्वास्थ्य वैन के रूप में विस्तारित किया जाए। जनजातीय विद्यालयों में नियमित स्क्रीनिंग अनिवार्य की जाए। विवाह पूर्व परामर्श की सामाजिक स्वीकृति को प्रोत्साहन मिले। केंद्र और राज्य स्तर पर समन्वित नीति के तहत इस कार्य को और प्रभावशाली बनाया जाए। जनजाति कल्याण केंद्र बरगांव की सिकल सेल यूनिट जनजातीय स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक मॉडल पहल है, जो केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि निवारक दृष्टिकोण, परामर्श, और सामाजिक शिक्षा के माध्यम से रोग के चक्र को तोड़ने का प्रयास कर रही है। यह कार्य सेवा, संवेदना और सशक्तिकरण के मूल मंत्र पर आधारित है, जो भविष्य में देश के अन्य जनजातीय क्षेत्रों के लिए अनुकरणीय बन सकता है।

पत्रिका

गौसेवकों को होम्योपैथिक चिकित्सा के बारे में बताया, जैविक खेती पर की चर्चा

शहपुरा @ पत्रिका. जिले के शहपुरा विकासखंड अंतर्गत बरगांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक गौ सेवा गतिविधि अखिल भारतीय प्रमुख शंकर लाल ने प्रवास के दौरान बैठक आयोजित की। उन्होंने गौशाला समिति के सदस्यों पदाधिकारी एवं गौ सेवकों के साथ बैठक कर गौ माता पर होने वाली बीमारियों के निदान के बारे में होम्योपैथिक चिकित्सा के बारे में बताया एवं जैविक खेती पर चर्चा की। उन्होंने समाधि खाद व सिंह खाद तैयार करने के साथ ही अमृत पानी तैयार करना आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। बैठक में राजकुमार जैन, मनोहर लाल साहू, श्याम बिनमाली, जाम सिंह, वीरेंद्र तिवारी, राधेश्याम साहू, मनोज सोनी, आरएस गुरुदेव, टेकेश्वर साहू, भीमशंकर साहू सहित गौसदन जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव कृषि कल्याण समिति के सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जनजाति कल्याण केंद्र, बरगांव महाकोशल में साप्ताहिक निशुल्क स्वास्थ्य शिविर संपन्न

33 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण, 18 बच्चों के बने हेल्थ कार्ड

एक्सल समाचार, महाकोशल। जनजाति कल्याण केंद्र बरगांव महाकोशल में आज दिनांक 27 जुलाई को साप्ताहिक निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। शिविर में कुल 33 मरीजों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें दवा वितरण के साथ-साथ आहार-विहार एवं जीवनशैली संबंधी उचित परामर्श भी दिया गया।

विशेष रूप से 18 बच्चों का समग्र स्वास्थ्य परीक्षण कर उनके हेल्थ कार्ड फाइल तैयार की गई, जिससे उनके स्वास्थ्य की निरंतर निगरानी संभव हो सकेगी। यह पहल बाल स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

इस शिविर में डॉ. अमित जैन , डॉ. अंकित और डॉ. श्वेता जैन ने अपनी विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान कीं। इसके साथ ही संस्था के समर्पित कार्यकर्ताओं ने व्यवस्था एवं समन्वय में सक्रिय भूमिका निभाई। जनजातीय क्षेत्र के निवासियों ने इस शिविर को अत्यंत लाभकारी बताते हुए स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर उपलब्धता की सराहना की। जनजाति कल्याण केंद्र द्वारा इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों का निरंतर आयोजन जनजातीय समाज के समग्र विकास में सहायक सिद्ध हो रहा है।

जनजाति कल्याण केंद्र पहुंचे मंत्री विजय शाह, कामकाज को सराहा

डिंडौरी। प्रदेश सरकार के जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह का जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल बरगांव जिला डिंडौरी में आगमन हुआ उन्होंने केंद्र में संचालित विभिन्न गतिविधियों का भ्रमण कर अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए जनजातीय समुदाय के विकास हेतु चल रहे प्रयासों की जानकारी ली। इस अवसर पर केंद्र अध्यक्ष श्री मनोहर लाल साहू, गौशाला समिति के उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, शताब्दी विस्तारक महेंद्र अरजरिया, प्रबंधक जाम सिंह सेण्डे, नर्मदांचल प्राचार्या श्रीमती सुरभि पांडेय सहित शासन-प्रशासन के अधिकारी एवं केंद्र के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मंत्री जी ने केंद्र की गतिविधियों को जनजातीय समाज के सशक्तिकरण की दिशा में उपयोगी बताया।

सचएक्सप्रेस

जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव में जैविक खेती पर एक दिवसीय कृषक संगोष्ठी सम्पन्न

एक्सल समाचार, बरगांव। दिनांक 21 दिसंबर 2025, रविवार को जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल, बरगांव में जैविक खेती विषय पर एक दिवसीय कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को टिकाऊ, कम लागत एवं पर्यावरण-संवेदनशील कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रोफेसर एवं किसान कल्याण केंद्र समिति के जैविक कृषि प्रभारी डॉ. अभिषेक शुक्ला द्वारा की गई। उन्होंने किसानों को जैविक कीट नियंत्रण, प्राकृतिक कीटनाशकों, फसल सुरक्षा एवं रासायनिक निर्भरता कम करने के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ. राकेश साहू ने मृदा परीक्षण एवं मृदा स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संतुलित पोषण और नियमित मृदा परीक्षण से उत्पादन क्षमता में वृद्धि संभव है। वहीं कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पी. अमूलकर ने कम सिंचाई में धान एवं गेहूं की उन्नत किस्मों तथा जल-संरक्षण आधारित खेती पर विस्तृत चर्चा की।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक श्री अवधेश ने बागवानी फसलों, विशेषकर सब्जी एवं फल उत्पादन की उन्नत तकनीकों, पौध संरक्षण एवं विपणन संभावनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र, डिंडोरी द्वारा जैविक कृषि की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसे किसानों ने विशेष रुचि के साथ देखा।

कार्यक्रम में किसानों को सब्जी बीजों का वितरण किया गया। संगोष्ठी में 33 महिला किसान एवं 55 पुरुष किसान उपस्थित रहे। केंद्र की प्रोग्रेसिव महिला किसान शिव कुमारी उरैति विशेष अतिथि के रूप में शामिल रहीं। किसानों ने खेती से जुड़ी अपनी समस्याएं रखीं, जिनका विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में कार्यक्रम संयोजक डॉ. योगेश राजपूत, किसान समिति अध्यक्ष श्री धर्म सिंह मरावी, गौशाला सचिव श्री उमेश, कोषाध्यक्ष श्री वीरेंद्र तिवारी, किसान समिति सदस्य श्री अजमेर सहित अनेक गणमान्यजन एवं किसान उपस्थित रहे।

जनजातीय संस्कृति के सुर-ताल से गूंजा बरगांव, मोहती के गेड़ी नृत्य दल ने बांधा समां

▶ **राष्ट्रीय जनजाति लोकोत्सव का समापन**

शहपुरा नवभारत 24 मार्च। जिले के जनजाति कल्याण केंद्र, बरगांव में मध्य प्रदेश संस्कृति संचालनालय और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय 'राष्ट्रीय जनजातीय लोक सांस्कृतिक मेला एवं लोक नृत्य प्रतियोगिता' का समापन हुआ। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया एवं नोडल अधिकारी एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस महाकुंभ में जनजातीय परंपराओं और कला का अद्भुत संगम देखने को मिला।

लोक नृत्य की महा-प्रतियोगिता में 142 दलों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा और वाद्ययंत्रों के साथ मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुतियां दीं। कड़े मुकाबले के बाद प्रथम स्थान: आरती मरकाम के नेतृत्व वाले मोहती गेड़ी नृत्य दल को मिला। द्वितीय स्थान आनंद बछलहा के गोंडी महाभारत दल (बजाग) को, तृतीय स्थान उर्मिला पेन्द्रे के आदिवासी गोंड दल (करंजिया) को मिला। उत्सव का शुभारंभ बच्चों के लिए आयोजित 'कला मैराथन' से हुआ। बालक वर्ग मैराथन में सौरभ धुर्वे प्रथम, हिमेश मरकाम द्वितीय और सत्यम वरकड़े तृतीय रहे। बालिका वर्ग मैराथन में रोशनी प्रथम, शिवकुमारी द्वितीय और सरस्वती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मांदर की थाप पर थिरके विधायक- समापन समारोह की अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने की। कलाकारों के उत्साह को देखकर विधायक स्वयं को रोक नहीं पाए और मांदर थामकर कलाकारों के साथ थिरक उठे। अपने संबोधन में उन्होंने संस्कृति विभाग की इस पहल को ऐतिहासिक बताया। विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्मश्री अर्जुन धुर्वे, मनोहरलाल साहू, डॉ. सुनील कांत वाजपेई, और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रदेश के संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, कैबिनेट मंत्री सम्पतिया उईके और वरिष्ठ समाजसेवी राजकुमार मटाले ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

---

52 चिकित्सकों के दल ने साढ़े पांच हजार मवेशियों का का किया टीकाकरण, 200 डॉक्टरों की उपस्थित रही

● **डिंडोरी / राज न्यूज नेटवर्क**

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रकल्प जनजाति कल्याण केन्द्र महाकौषल बरगांव द्वारा जनजाती बाहुल्य क्षेत्र में समग्र विकास हेतु सतत संकल्पित लक्ष्य को लेकर कार्य कर रहा है। जनजाति कल्याण केन्द्र महाकौषल बरगांव द्वारा जनजातिय बाहुल्य क्षेत्र में षिक्षा, संस्कृति स्वावलंबन, कृषि, गौवंष, कौषल विकास, संस्कृति मातृ शक्ति सषाक्तिकरण जैसे विषयों में लक्षित संकल्प से अनवरत कार्य कर रहा है। इसी उद्देषय से जनजाति कल्याण केन्द्र के नजदीकी गांव में बरसात होते ही गौवंष एवं अन्य पशुओं में फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिये विगत दस वर्षों से पषु टीकाकरण एवं चिकित्सा सेवा की जाती रही है। जिसके परिणाम स्वरूप गौवंष, पषु मत्यदर में कमी देखी गई है। इसी तारतम्य में शुक्रवार को आसपास के 35 ग्रामों में 200 चिकित्सकों की 52 दलों के द्वारा गौवंष और अन्य पषुओं का टीकाकरण और उपचार किया गया। चिकित्सीय दल द्वारा 5613 गौवंष और अन्य पषुओं का टीकाकरण किया गया । साथ ही 625 मवेषियों को उपचार दिया गया। इस वृहद पषुधन टीकाकरण की शुरूवात जनजाति कल्याण केन्द्र महाकौषल बरगांव में दीप प्र%जवलित कर की गई जिसमें अध्यक्ष मनोहर लाल साहू, सचिव डां. एस.के. वाजपेयी, एवं किसान कल्याण समिति के अध्यक्ष धरम सिंह मरावी, पुलिस कप्तान वाहिनी सिंह सहित देषमुख चिकित्सा महाविद्यालय के लगभग 200 डॉक्टरों की उपस्थित रही। चिकित्सीय टीम में उपसंचालक पषु चिकित्सा एवं डेयरी विभाग के सहित स्टाफ की भी भूमिका सराहनीय रही ।

इस पुनीत कार्य में आप भी सहभागी बनें -

❖ स्वयंसेवक बनकर ❖ प्रति विद्यार्थी का शिक्षण शुल्क प्रतिवर्ष पांचवी कक्षा तक 5000, आठवीं कक्षा तक 8000 तथा दसवीं कक्षा तक 10000 रुपये देकर ❖ प्रति विद्यार्थी सम्पूर्ण व्यय की राशि 25000 रुपये देकर ❖ छात्रावास के निर्धन विद्यार्थियों के एक दिन के भोजन हेतु 3000 रुपये देकर ❖ नर्मदा परिक्रमा वासियों के लिए अन्न दान कर ❖ गौशाला हेतु प्रति गाय 5000 रुपये प्रतिवर्ष देकर ❖ अभावग्रस्त ग्रामवासियों हेतु वस्त्र वितरण ❖ वाहन चालक प्रशिक्षण हेतु प्रति प्रशिक्षणार्थी 2000 रुपये देकर ❖ अन्य गतिविधियों हेतु यथासंभव आर्थिक सहयोग देकर आर्थिक सहयोग हमारे बैंक खाता में दिया जा सकता है। समस्त सहयोग आयकर अधिनियम की धारा 80 जी के तहत आयकर मुक्त है।

अन्तर्राष्ट्रीय सहायता हेतु-

- खाताधारक : जनजाति कल्याण केन्द्र महाकोशल बरगांव
- बैंक : भारतीय स्टेट बैंक शाखा मुख्य शाखा नई दिल्ली - 11 संसद मार्ग, नई दिल्ली - 110001
- Account No. : 40446120867
- IFSC Code : SBIN0000691

स्थानीय सहायता हेतु -

- खाताधारक : जनजाति कल्याण केन्द्र महाकोशल बरगांव, शहपुरा
- बैंक : स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, शहपुरा, जिला-डिंडोरी (म.प्र.)
- Account No. : 31072933851
- IFSC Code : SBIN0002893

: सम्पर्क सूत्र :

✠ श्री मनोहर लाल साहू - 9981544951 ✠ डॉ.सुनीलकांत वाजपेयी - 9425483859
✠ श्री जाम सिंह - 6264145142 ✠ डॉ.श्रीकृष्ण बिलैया - 9425165543

सहयोगी संस्थाएँ

एन एच डी सी | गेल | एनटीपीसी | एसईसीएल

बैंक ऑफ महाराष्ट्र | BrahMos | एम.पी.सी.एस.टी. | जन अभियान परिषद

State Bank of India — THE BANKER TO EVERY INDIAN | नालको NALCO National Aluminium Company Limited | HINDUSTAN COPPER LIMITED A Govt. of India Enterprise

Printed by - Jai Mata Di Graphics, Shahdol # 9981303975